CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 238 ता. 03 मार्च 2021, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

मेरी जान को शिवसेना से खतरा : कंगना रनौत

मुंबई । बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत इन दिनों फिल्मों से ज्यादा अपने कोर्ट-कचहरी के मामलों के कारण चर्चा में है। बीते दिनों जावेद अख्तर मानहानि मामले में कंगना के खिलाफ कोर्ट ने जमानती वारंट जारी किया, वहीं अब कंगना अपनी फरियाद लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं। कंगना के साथ ही उनकी बहन रंगोली चंदेल के खिलाफ मुंबई में चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। कंगना और रंगोली ने कोर्ट से कहा है कि उनकी जान को मुंबई में शिवसेना से खतरा है, लिहाजा केस को मुंबई से हिमाचल ट्रांसफर कर दिया जाए। कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली चंदेल ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इसमें दोनों ने कोर्ट से कहा है कि मुंबई में उनको शिवसेना नेताओं के निजी प्रतिशोध के कारण जान का खतरा है। हालांकि, कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई की तारीख अभी तय नहीं की है। याचिका में कंगना रनौत और रंगोली चंदेल ने आरोप लगाए हैं कि महाराष्ट्र सरकार जान-बूझकर उनका शोषण कर रही है। दोनों ने यह भी दावा किया है कि ये सभी केस उनकी छवि को खराब करने की नीयत के साथ किए गए हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर टिप्पणी मामले में तीन और जावेद अख्तर की मानहानि मामले में एक, इस तरह कुल ४ केस कंगना और रंगोली के ख?लिाफ मुंबई में दर्ज हैं। गीतकार जावेद अख्तर ने कंगना रनौत के खिलाफ क्रिमिनल डिफिमेशन का केस दर्ज किया है। आपराधिक मानहानि के इस मामले में कंगना पर आईपीसी की धारा ४९९ और ५०० के तहत मामला दर्ज है।

लखनऊ समेत कई जिलों की आरक्षण लिस्ट जारी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। पंचायत चुनाव में मंगलवार को प्रदेश के लखनऊ, उन्नाव, देवरिया समेत कई जिलों में ग्राम प्रधान, ब्लाक प्रमुख व वार्ड सदस्य पदों के लिए आरक्षण की अनंतिम सूची जारी कर दी गई है। जिन जिलों में मंगलवार को किसी कारण से लिस्ट जारी नहीं हो सकी है, वहीं इसे बुधवार को जारी किया जाएगा। आरक्षण आवंटन के साथ ही आपत्तियां लेने का कार्य आठ मार्च तक किया जाएगा। नौ मार्च को आपित्तयां एकत्रित करने के बाद १०-११ में निस्तारण कार्य होगा। १६ मार्च को आरक्षण सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि २६ मार्च को आदर्श आचार संहितर लागू होने की संभावना है। इलहाबाद हाई कोर्ट के निर्देशानुसार पंचायत चुनाव कराने की तैयारियां जोरों पर जारी है। चक्रमानुक्रम आरक्षण फार्मूला तय करने के बाद सरकार द्वारा जिला पंचायत अध्यक्षों का आरक्षण आवंटन भी कर दिया गया है। अब पंचायती राज विभाग ने ग्राम पंचायत प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, बीडीसी सदस्य, ब्लॉक प्रमुख पदों का आरक्षण आवंटन पूरा कर लिया है। इसके साथ ही जिला पंचायत सदस्य पद के लिए आरक्षण आवंटन पूरा हो गया है। यहां अब मंथन किया जा रहा है। आंशिक परिसीमन की वजह से जिला पंचायत वार्डों के आरक्षण आवंटन में अधिक समय लग रहा है। पंचायती राज विभाग की टीम शासन के आदेश के हर नियम का पालन कर आरक्षण तय कर रही है। जिससे बाद कोई विवाद नहीं हो। आरक्षण सूची जारी होने के बाद यदि किसी को कोई आपत्ति होगी तो वह पांच दिनों के भीतर अपनी आपत्ति दाखिल कर सकता है।

चीन और पाकिस्तान हथियारों पर अधिक खर्च कर रहे हैं

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में यह कहा है कि निजी क्षेत्र को रक्षा क्षेत्र में भी पूरी दुनिया में भारत का परचम लहराने के लिए आगे आना होगा। वे रक्षा क्षेत्र के संदर्भ में आयोजित एक वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश रक्षा क्षेत्र में कैसे आत्मनिर्भर बने यह अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। अब रक्षा के पूंजीगत बजट में भी घरेलू खरीद के लिए एक हिस्सा रिजर्व कर दिया गया है। इसलिए निजी क्षेत्र को आगे आकर विश्व में अपना परचम लहराना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के पास हथियार एवं सैन्य उपकरण बनाने का सदियों पुराना अनुभव है, जिसका लाभ लिया जाना चाहिए। इससे पहले बेंगलुरू में एयर इंडिया शो के दौरान रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि हिंद महासागर क्षेत्र के देशों को भारत मिसाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्धक प्रणाली सहित विभिन्न प्रकार की हथियार प्रणालियों की आपूर्ति करने को तैयार है। इससे पहले केवल आकाश मिसाइल के निर्यात को मंजूरी प्रदान की गई थी, परंतु अब हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अस्त्र, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल नाग और क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस भी निर्यात के लिए तैयार हैं। आकाश सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है और कम दूरी की हवाई सुरक्षा प्रदान करती है। आने वाले समय में अस्त्र मिसाइल को भी लड़ाकू विमानों के साथ एकीकृत किया जाएगा। ब्रह्मोस मिसाइल सेना, नौसेना तथा वायु सेना के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली एक सुपरसोनिक मिसाइल है। इस मिसाइल को जहाजों, मोबाइल लांचर, पनडुब्बियों एवं एयरक्राफ्ट से छोड़ा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि सामरिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए रक्षा उपकरणों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है। रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से इनोवेशंस फॉर डिफेंस एक्सीलेंस यानी रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवोन्मेष के तहत स्टार्ट-अप को मिलने वाले अनुदान को भी बढ़ाने को कहा। निस्संदेह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। देश में रक्षा उत्पादों का दायरा बढ़ाने से आने वाले दिनों में हम हथियारों का बड़ा निर्यातक बन सकते हैं। दूसरा यह भी कि जब देश में हवाई जहाज या अन्य अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण तेज होगा तो उसके लिए आवश्यक कल-पुर्जे और अन्य जरूरी सामान भी तैयार होंगे। ऐसे में उद्योगों और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी होगी। इस तरह के निर्माण के लिए हमें उच्च प्रकार का शोध एवं गुणवत्ता मानक भी तैयार करना होगा। सरकार की योजना के मुताबिक इस लक्ष्य को दो-तीन साल में पूरा करना है। विदित हो कि अर्जुन टैंक एवं एलसीए तेजस जैसी परियोजनाओं को पूरा करने में कई साल लग गए। गंभीरता से देखा जाए तो वर्ष २०२१-२२ के लिए जो रक्षा बजट जारी किया गया उसमें पिछले वर्ष की तुलना में की गई केवल १.४ फीसद की वृद्धि पर्याप्त नहीं है। डीआरडीओ के लिए पूंजीगत आवंटन को बढ़ाकर ११,३७५ करोड़ रुपये किया गया। यह पिछले वर्ष की तुलना में मात्र आठ प्रतिशत ही बढ़ाया गया है। विकास योजनाओं को देखते हुए यह कम ही है। पर्याप्त नहीं रक्षा बजट में बढ़ोतरी : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए बजट में वित्तीय वर्ष २०२१-२२ के

लिए रक्षा बजट को बढ़ाकर ४,७८,१९५ करोड़ रुपये किया गया है, जबकि पिछला रक्षा बजट ४,७१,३७८ करोड़ रुपये का था। स्पष्ट है कि पिछले साल की तुलना में ६,८१७ करोड़ रुपये की मामूली वृद्धि ही की गई है। जबकि पिछले वर्ष की तुलना में भारत की रक्षा चुनौतियां काफी बढ़ गई हैं। चीन के साथ एलएसी यानी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर तनाव भले कम हो गया हो, लेकिन जिस प्रकार यह लगभग दस माह तक रहा, उसे देखते हुए सतर्क रहने की जरूरत है। वहीं पाकिस्तान की सीमा पर खतरे एवं चुनौतियां बरकरार हैं। इसके अलावा, समुद्र की तरफ से भी भारत को चुनौतियां मिल रही हैं। यह भी सर्वविदित है कि पाकिस्तान और चीन सहित विश्व के अनेक देश भारत की तुलना में सुरक्षा पर अधिक धन खर्च कर रहे हैं। जबकि सीमा पर तनाव की स्थिति को देखते हुए सैन्य खरीद की विशेष आवश्यकता थी। सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा ढांचा मजबूत करना भी जरूरी है।

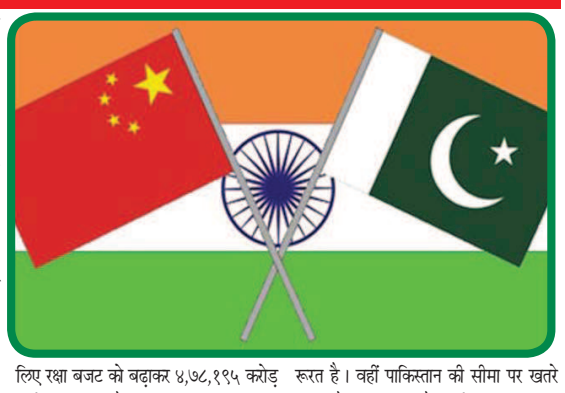

इमरान खान की पार्टी के नेताओं में जमकर मारपीट

सिंध ।

पाकिस्तान की सिंध विधानसभा के अंदर प्रधानमंत्री इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता आपस में बुरी तरह भिड़ गए। हालात इस कदर काबू से बाहर हुए कि नेता एक-दूसरे को गिरा-गिराकर पीटते दिखे। असेंबली के अंदर के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मामला सीनेट चुनाव को लेकर था। दरअसल, पार्टी के तीन विधायकों असलम आबरो, शहरयार शार और करीम बख्श गबोल ने ऐलान किया था कि वह अपने मन मुताबिक सीनेट चुनाव में वोट देंगे। क्क्षड्ढ के उम्मीदवारों को वोट नहीं देने से नाराज नेताओं ने इन तीनों नेताओं को बागी करार दिया और उनके विधानसभा में दाखिल होते ही उन पर हमला बोल दिया। आपस में भिड़ते नेताओं को अलग कराने पीपीपी नेता भी आगे आए और मामला बढ़ता चला गया। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि सभा के अंदर किस कदर हंगामा मचा हुआ है। यहां तक कि भीड़ एक नेता को गिरा भी लेती है। इस बीच सभा के कई सदस्य उठकर बाहर चले गए लेकिन गुस्साए नेता आपस में खींचतान करते रहे। जियो न्यूज के मुताबिक आबरो ने आरोप लगाया है कि सीनेट उम्मीदवारी के टिकट बेचे गए हैं और वह सैफुल्ला आबरो और फैसल वावडा के चुनाव से सहमत नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि वह पार्टी लाइन पर वोट नहीं देंगे।

कांग्रेस सत्ता में आयी तो महिला को मिलेगा प्रति माह २ हजार गृहणी सम्मान

तेजपुर ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को असम के तेजपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि हमारी (कांग्रेस) की सरकार आती है तो हर महिलाओं को २ हजार रुपये प्रतिमाह गृहणी सम्मान दिया जाएगा। साथ ही चाय बागानों में काम करने वाली महिलाओं को प्रतिदिन ३६५ रुपये दिये जाएंगे। उन्होंने कहा नई सरकार में ५ लाख लोगों को नौकरियां दी जाएगी। ये वादे नहीं बल्कि गारंटी हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में आएगी, तो यह सुनिश्चित करने के लिए एक कानून बनाया जाएगा कि सीएए यहां लागू नहीं किया जाए। साथी हर महीने २०० यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। इससे पहले सोमवार को असम में प्रियंका ने महिलाओं से आग्रह किया था कि वे आगामी चुनाव में जिम्मेदारी से मतदान करें क्योंकि यह उनके और उनके बच्चों के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में महिलाओं के प्रति अपराध की दर देश में सबसे ज्यादा है और वर्तमान सरकार ने स्थिति को सुधारने के लिए कुछ नहीं किया। वह विश्वनाथ जिले के गोहपुर में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों और चाय बागान में काम करने वाली महिलाओं से बातचीत कर रही थीं। प्रियंका गांधी ने कहा था कि आप जब मतदान करें तो ध्यान से व सोच कर मतदान करें और समझें कि जिस राजनीतिक पार्टी या नेताओं को आप चुन रहे हैं वे आपके बच्चों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए नीतियां तैयार करने के योग्य हैं या नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता देश भर में घूम-घूमकर संशोधित नागरिकता कानून लागू करने की बातें कर रहे हैं, लेकिन असम में आते ही वे इसपर चुप्पी साध लेते हैं।

हर्षवर्धन व फारूक अब्दुल्ला समेत कई नेता को टीका लगा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और उनकी पत्नी को मंगलवार को कोरोना टीका लगा। उन्होंने दिल्ली हार्ट एंड लंग इंस्टीटूट अस्पताल में कोरोना वैक्सीन की पहली डोज ली। वैक्सीन लगने के बाद स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि उन्होंने और उनकी पत्नी ने २५० रुपये देकर कोवैक्सीन का टीका लगवाया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कोरोना वैक्सीन की तुलना संजीवनी से की। उन्होंने कहा, ये वैक्सीन संजीवनी की तरह काम करती है, जिसे लाने के लिए हनुमान जी को भारत को पार करना पड़ा था। यह 'संजीवनी' आपके नजदीकी सरकारी और निजी अस्पताल में उपलब्ध है। देशवासियों से अपील है कि कोरोना वैक्सीन लगवाएं। उन्होंने जानकारी दी कि मंगलवार सुबह ९.३० बजे तक ३९ लाख लोगों ने कोविन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा लिया है। स्वास्थ्य मंत्री के अलावा केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पटना एम्स में टीका लगवाया। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद फारूक अब्दुल्ला और केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने उत्तर प्रदेश के रामपुर में कोरोना वैक्सीन की पहली डोज ली। इससे पहले आज हैदराबाद के गांधी अस्पताल में गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी को टीका लगा। अभिनेता और मक्कल निधि मय्यम के अध्यक्ष कमल हासन ने चेन्नई में वैक्सीन की पहली खुराक ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री को भी टीका लगा। उन्हें अहमदाबाद में टीका लगा। ट्वीट करके उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी। बता दें कि देश में कोरोना टीकाकरण के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार को हुई। इस चरण में ६० साल से ज्यादा उम्र और गंभीर बीमारियों से ग्रसित ४५ साल से ज्यादा लोगों को टीका लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एम्स में टीका लगवाया। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (ह्रष्टक्क) के प्रमुख शरद पवार सहित कई प्रमुख नेताओं को सोमवार को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक १.४८ करोड़ लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

उम्रकैद पाने वाले आरोपी को कोर्ट ने निर्दोष बरी किया

आगरा ।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रेप मामले में दोषी करार एक शख्स को २० साल बाद बेगुनाह घोषित किया है। विष्णु तिवारी उस वक्त २३ साल का था जब ट्रायल कोर्ट ने उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उसे रेप मामले में दोषी करार दिया गया था। इन २० सालों में उसके परिवार के हर सदस्य की मौत हो गई। आखिरकार अब विष्णु को जेल से रिहाई मिलेगी। आगरा सेंट्रल जेल के वरिष्ठ अधीक्षक वीके सिंह ने बताया, 'विष्णु को जल्द ही रिहा किया जाएगा। हम आधिकारिक रिहाई आदेश का इंतजाम कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यवश है कि जो अपराध उसने किया ही नहीं उसके लिए उसे २ दशक जेल में रहना पड़ा। मामला साल २००० का है। विष्णु यूपी के ललितपुर गांव में अपने पिता और दो भाइयों के साथ रहता था। स्कूल छोड़ने के बाद वह परिवार की मदद के लिए नौकरी कर रहा था। उसी साल सितंबर में दूसरे गांव की एक महिला ने उसके खिलाफ रेप का आरोप लगाया था। विष्णु के खिलाफ अनुसूचित जनजाति की महिला के साथ रेप, धमकी और यौन शोषण के तहत मामला दर्ज हुआ। ट्रायल कोर्ट ने उसे दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। २००३ में उसे आगरा सेंट्रल जेल में भेज दिया गया। २००५ में विष्णु ने मामले को हाई कोर्ट में चुनौती देने का मन मनाया लेकिन बात नहीं बनी। छह साल पहले उसके पिता की मृत्यु हो गई लेकिन परोल न मिलने की वजह से वह अंतिम संस्कार में नहीं जा सका। उसके बाद भाइयों की भी मौत हो गई। १४ साल पूरे होने पर विष्णु ने दया याचिका के लिए अपील का फैसला किया। जेल अधिकारियों ने स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी से संपर्क किया और पिछले साल हाई कोर्ट में अपील दाखिल की। २८ जनवरी को जस्टिस कौशल जयेंद्र ठाकेर और गौतम चौधरी की पीठ ने उसे निर्दोष करार दिया। कोर्ट ने पाया कि मामले में एफआईआर तीन दिन बाद

दर्ज हुई थी और महिला के प्राइवेट पार्ट पर कोई चोट के निशान नहीं थे जैसा कि दावा किया था। कोर्ट ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच जमीन विवाद था और महिला के पति और ससुर ने शिकायत दर्ज कराई थी न कि महिला ने। हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए विष्णु को बरी कर दिया। जेल अधीक्षक ने बताया, 'हम उम्मीद करते हैं कि कुछ ही दिन में वह जेल से बाहर आ जाएगा। इसके बाद उसका प्लान ढाबा खोलने और नई जिंदगी की शुरुआत करने का है।

मालदा में गरजे योगी, दो महीने बाद BJP की सरकार बनेगी

मालदा ।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ममता बनर्जी के गढ़ पश्चिम बंगाल पहुंचे। यहां उन्होंने ममता बनर्जी को ललकारा। योगी ने कहा कि बीजेपी की सरकार आते ही टीएमसी के गुंडे गले में तख्ती टांगकर जान की भीख मांगते घूमेंगे। उन्होंने कहा कि जो राम का विरोधी है वह सुन ले होली आने वाली है। भगवान विष्णु और राम का नाम लेना प्रतिबंध किया था। होली पर क्या हुआ? आज बंगाल के अंदर फिर से जयश्री राम के नारे को प्रतिबंधित किया जा रहा है। बीजेपी राम के बगैर कोई काम नहीं करती है। योगी ने कहा कि बंगाल में बीजेपी की सरकार आई तो २४ घंटे के अंदर गोहत्या और अवैध बूचड़खाने बंद करा दिए जाएंगे। योगी ने कहा कि टीएमसी के गुंडे बंगाल में अराजकता कर रहे हैं। यूपी में बीजेपी सरकार आते ही गुंडे गले में तख्ती टांगकर घूमने लगे। बंगाल में बीजेपी की सरकार आते ही टीएमसी के गुंडे गले में तख्ती टांगकर जान की भीख मांगते नजर आएंगे। मालदा में योगी ने बोलते हुए कहा कि बंगाल में आज आतंकवाद है। केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं करने दिया जाता है। एक तरफ यहां पर आदि शक्ति मां का पूजा पर बैन लगाया जाता है। गोहत्याएं की जाती हैं। सरकार मौन रहती है। बंगाल में आज जयश्री राम के नारे लगाने पर भी बैन है। श्री राम का नाम लेने वालों पर हमले करवाए जाते हैं।

बंगाल की सरकार से कहना चाहता हूं, ममता दीदी से अनुरोध करना चाहता हूं कि यूपी में भी एक सरकार थी जो राम भक्तों पर गोली चलवाती थी उसका क्या हश्र हुआ देखा? अब बंगाल में टीएमसी की बारी है। योगी ने कहा कि जब हम मिलते हैं तो राम राम, काम होता है तो राम नाम, अंतिम यात्रा में भी राम नाम सत्य होता है। राम के बगैर भारत में कोई काम नहीं। राम द्रोही हैं उनका यहां कोई काम नहीं। टीएमसी की सरकार से पूछना है कि बंगाल के अंदर अराजकता करने वालों के साथ टीएमसी का क्या गठबंधन है? योगी ने कहा कि भारत का नेतृत्व करने के लिए बंगाल आज कहां है? आज बंगाल में अराजकता, आतंकवाद और भ्रष्टाचार है राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ हो रहा है। मैं तृणमूल सरकार से पूछना चाहता हूं कि राम प्रशंसकों से आपका कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन बंगाल में अराजकता पैदा करने वालों से आपका क्या लेना-देना है? लंबे समय तक सीएम रहने वाला आपा खो दे यह विचित्र स्थिति है। बंगाल का अपमान है जिस तरह से ममता बनर्जी बयान दे रही हैं। बंगाल के लोगों के साथ धोखा है। बंगाल उत्तराखंड से बंगाल तक जाती है। भारत की एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देती है लेकिन बंगाल के अंदर रहकर कुछ लोग भारत की एकता को चुनौती दे रहे हैं और बंगाल के तृष्टिकरण की भेंट चढ़ाना चाहते हैं। यूपी सीएम ने कहा कि ईद और दुर्गा पूजा मोहर्रम एक साथ पड़ा तो मोहर्रम के जुलूस को अनुमति दी और ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा बैन कर दी। यूपी में हमने साफ कहा कि दुर्गा पूजा के समय दुर्गा पूजा जरूर होगी। एक भी जगह पंडाल बैन नहीं किया गया। शांति से दुर्गापूजा हुई। सरकारें जो लोगों की रक्षा करने में विफल रहती हैं, वे अपराध और हिंसा से समझौता करती हैं। वह सरकार माताओं और बहनों की रक्षा नहीं कर सकती। उस सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। बंगाल में लव जिहाद हो रहा है। बंगाल में, केवल चापलूसी की राजनीति हो रही है।

सार समाचार

चुनाव सांप्रदायिक वोटों की जागीरदारी और समावेशी विकास की भागीदारी के बीच जनादेश की जंग है: नकवी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा के चुनाव 'सांप्रदायिक वोटों की जागीरदारी' और 'समावेशी विकास की भागीदारी' के बीच जनादेश की जंग है। नकवी के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश के रामपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि इन चुनावों में विकास पर विश्वास एक 'बड़ी कसौटी' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विकास और सुशासन का 'प्रामाणिक ब्रांड' बताते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने बिना किसी भेदभाव के समावेशी विकास और सर्वस्पर्शी सशक्तीकरण के संकल्प के जरिये हर जरूरतमंद तक विकास की रौशनी पहुंचाने का प्रयास किया है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नकवी ने कहा कि कुछ राजनैतिक दल विरासत पर सियासत को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ही लोग कर्म की कसौटी पर असफल हो रहे हैं।

किसानों के लागातार प्रदर्शन के कारण दिल्ली पुलिस ने फिर किया गाजीपुर बॉर्डर बंद

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार दोपहर को गाज़ीपुर बॉर्डर को फिर बंद कर दिया। इससे कुछ घंटों पहले एनएच-9 का एक हिस्सा गाड़ियों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया था। यह रास्ता 26 जनवरी से ही बंद है जब गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में हिंसा भड़क गई थी। सुबह में सड़क का एक हिस्सा खोल दिया था जो दिल्ली से गाज़ियाबाद की ओर जाता है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ बड़ी संख्या में किसान दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर पिछले साल नवंबर के अंत से प्रदर्शन कर रहे हैं।

उत्तराखंड विधानसभा में चमोली आपदा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई

गैरसैंण। उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को पिछले महीने चमोली जिले में आई प्राकृतिक आपदा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने चमोली जिले की जोशीमठ तहसील के रैंणी और तपोवन क्षेत्र में आपदा में मरे लोगों के लिए शोक व्यक्त किया। सदन ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए कुछ पल का मौन भी रखा। गौरतलब है कि सात फरवरी को ऋषिगंगा घाटी में आई विकराल बाढ़ में जानमाल की भारी क्षति हुई थी। इस हादसे में 204 लोग लापता हो गए थे जिसमें से अब तक 72 लोगों के शव मिले हैं। आपदा में 13.2 मेगावाट रैंणी जलविद्युत परियोजना पूरी तरह से तबाह हो गई जबकि 520 मेगावाट तपोवन–विष्णुगाड जलविद्युत परियोजना को भारी नुकसान हुआ।

दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र आठ मार्च से शुरू होगा, मनीष सिसोदिया ने दी सूचना

नयी दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र आठ मार्च से शुरू होगा। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर बताया कि दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में फैसला किया गया। सत्र का समापन 16 मार्च को होगा। सूत्रों के अनुसार सरकार 2021-22 के लिए अपना बजट पेश करेगी जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और पानी की आपूर्ति समेत बुनियादी ढांचा पर जोर रहेगा। सूत्रों ने बताया कि नए कर लगाने की संभावना नहीं है। सरकार ने 2020-21 के लिए 65,000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था जो 2019-20 के लिए पेश बजट से करीब 10 प्रतिशत अधिक था।

ममता के मंत्री जाकिर हुसैन पर बम हमले की एनआईए जांच होगी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के श्रम राज्य मंत्री जाकिर हुसैन पर हुए हमले की जांच नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) करेगी। मर्शीदाबाद में रेलवे स्टेशन जाते वक्त 17 फरवरी को जाकिर हुसैन पर बम से हमला किया गया था। वो गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। ईलाज के लिए उन्हें कोलकाता में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस मामले के लिए एसआईटी जांच का आदेश दिया था। साथ ही जाकिर हुसैन पर हुए बम हमले के लिए केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा था। मुर्शिदाबाद के निमिता रेलवे स्टेशन पर यह हमला हुआ था। पश्चिम बंगाल के श्रम राज्यमंत्री प्लेटफार्म नंबर 2 पर कोलकाता के लिए ट्रेन पकड़ने जा रहे थे। इस बम हादसे का वीडियो भी सामने आया था। इस मामले में राजकीय रेलवे पुलिस ने हत्या के प्रयास. आपराधिक षडयंत्र और विस्फोटक अधिनियम समेत कई धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की जांच एनआईए को सौंपी गई है जिसके बाद आला अधिकारी इस मामले में अब तक की जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आए हैं उन सभी को ध्यान में रखकर आगे की जांच और पूछताछ की जाएगी।

किसान नेताओं पर बरसे जेपी नड्डा, बोले- ये कृषि सुधार किसान की तस्वीर व तकदीर बदलेंगे

जयपुर। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने नये कृषि कानूनों की ओर इशारा करते हुए मंगलवार को यहां कहा कि कृषि सुधार देश के किसानों की तस्वीर व तकदीर बदलने वाले हैं। इसके साथ ही नड्डा ने किसान नेताओं पर आरोप लगाया कि सालों साल तक उन्होंने किसानों के नाम पर राजनीति की है उनका भला नहीं किया। नड्डा यहां बिड़ला सभागार में भाजपा की राजस्थान प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसान नेताओं ने वर्षों तक किसानों पर राजनीति की लेकिन उनका भला नहीं किया। अगर किसान का भला किया है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आदि का जिक्र करते हुए कहा, ''ये सुधार किसान की तस्वीर व तकदीर बदल देंगे इस बात की गारंटी है। इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने कहा हम आपके साथ बातचीत को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यह वैकल्पिक हैं अगर अपनान चाहें तों अपनाएं।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि हम बातचीत को तैयार हैं आप इसमें बताएं की क्या सुधार करने की जरूरत है हम करेंगे... किसान हमारे अन्दाता हैं उनको मुख्यधारा में शामिल करना हमारी जिम्मेदारी है लेकिन यह जो पार्टियां राजनीतिक दृष्टि से राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं और लोगों को गुमराह कर रही हैं, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि गांव-गांव घर-घर जाकर प्रत्येक किसान को बताएं कि सुधारों से उनका भला कैसे होगा।'' उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एपीएमसी को समाप्त करने की बात उनके चुनावी घोषणापत्र में थी। उन्होंने कहा, ''पंजाब में ठेका खेती नहीं है क्या? कांट्रेक्ट खेती का कानून पंजाब की कांग्रेस सरकार लेकर नहीं आई थी? ... तुम करो तो सच हम करें तो झूठ।'' नड्डा ने बेरोजगारी, दलित व महिलाओं पर अत्याचार व किसान कर्जमाफी को लेकर राज्य की अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वाले सत्ता पाने के लिए इतने फस्ट्रेशन में हैं कि कुछ भी वादा करेंगे और जो भी वादा करेंगे उसे कभी निभाएंगे नहीं। उन्होंने कहा, ''मेरा आरोप है कि राज्य की मौजूदा गहलोत सरकार की प्राथमिकता सुशासन देना की नहीं बल्कि इसे कुशासित राज्य बनाने की है।'' नड्डा ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि राजस्थान में कमल पहले भी खिला है और आगे भी खिलेगा। इससे पहले सुबह जयपुर पहुंचने पर पार्टी के राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व अर्जुनराम मेघवाल सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। मंच पर राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व अर्जुनराम मेघवाल, राज्यसभा सदस्य ओम माथुर भी एक साथ दिखे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर एसपी का बहिर्गमन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी ने बहिर्गमन किया और सरकार की आलोचना की। वहीं संसदीय कार्य मंत्री ने दावा किया कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि मूल्य वृद्धि का प्रभाव गरीबों पर ना पड़े। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष राम गोविंद चौधरी ने कहा, रसोई गैस की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है और लोगों को सब्सिडी भी कम मिल रही है। दस माह से कम समय में बलिया गैस सिलेंडर की कीमत में 240 रुपये से अधिक वृद्धि हुई है।'' उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों भी लगभग हर रोज वृद्धि हो रही है और यह किसानों और आम जनता को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ महीनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोत्तरी होने के कारण बस, आटो रिक्शा के किराये और दाल, खाद्य वस्तुओं और दवाओं के दाम में भी वृद्धि हुई है। चौधरी ने सवाल उठाया कि यह सरकार जनकल्याणकारी सरकार कैसे हो सकती है, क्या सरकार का मतलब कीमतों को बढ़ाना और लोगों को आत्महत्या के लिए मजबूर करना है। उन्होंने कहा कि यह सरकार गरीबों के हित के लिए नहीं है और सभी मोर्चों पर विफल रही है।

चौधरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए संसदीय कार्य और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार द्वारा नियंत्रित होती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी अंत्योदय के सिद्धांत पर आखिरी आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए खड़ी है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। खन्ना ने दावा किया कि सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि मूल्य वृद्धि का प्रभाव गरीबों पर ना पड़े।

केरल का सामाजिक सौहार्द दबाव में, नई विकास रणनीति की जरूरत : सोनिया गांधी

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को कहा कि केरल का सामाजिक सद्भाव व सौहार्द दबावमें हैं। उन्होंने लोगों के बीच भाईचारे को बढ़ाने और दक्षिणी राज्य के समूचे विकास के लिये नई विकास रणनीति की वकालत की। राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज (आरजीआईडीएस) द्वारा आयोजित एक डिजिटल शिखर सम्मेलन में अपने संदेश में गांधी ने कहा, 'केरल देश के अन्य हिस्सों और कहें तो दुनिया को यह सबक देता है कि कैसे सामाजिक सद्भाव व सौहार्द का संरक्षण और संवर्धन करें।' उन्होंने कहा, 'यह दबाव व तनाव में है और भविष्य की विकास की रणनीति में भाइचारे के बंधन को मजबूती दी जानी चाहिए। यह न केवल इसके मूल उद्देश्यों में से एक हैं, बल्कि केरल के अद्भुत विविध समाज की पहचान रहा है।'

आरजीआईडीएस केरल में कांग्रेस की विचारधारा से संबद्ध एक आर्थिक 'थिंक-टैंक' है। शिखर सम्मेलन, प्रतीक्षा 2030, अगले दशक में केरल के विकास की व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के लिये भारत और विदेश में आरजीआईडीएस के विस्तृत और व्यापक परामर्श की परिणति है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया था। विकास के बहुचर्चित केरल मॉडल के संदर्भ में गांधी ने कहा कि राज्य आज नई व अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहा है और इन्हें कोविड-19 महामारी से और बल मिला है। उन्होंने दक्षिणी राज्य में आर्थिक सुधार और सामाजिक सुरक्षा के लिये नई सोच की जरूरत पर बल दिया। सम्मेलन में पढ़े गए संदेश में उन्होंने कहा, 'यह आर्थिक वृद्धि के लिये स्पष्ट रूप से नई सोच का समय है जिससे फिर से निवेश हो, उत्पादक रोजगार का सृजन हो, पर्यावरण का संरक्षण हो, जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीला रुख हो, प्राकृतिक आपदाओं के खतरों को कम करे, संगठित व असंगठित श्रमिकों के लिये सामाजिक सुरक्षा बढ़े, किसानों व उनके परिवारों की कुशलता बढ़े।'

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि बीते छह दशकों से भी ज्यादा समय में विकास के केरल मॉडल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, लैंगिक सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की दिशा में राज्य के लिये कई प्रभावी उपलब्धियां अर्जित की हैं। लेकिन केरल के सामने नई चुनौतियां हैं और मैं कह सकती हूं कि अभूतपूर्व चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, 'इन चुनौतियों को कोविड-19 महामारी से और बल मिला जिसका सामना पूरी दुनिया कर रही है और यह खतरा अभी कायम है।' शिखर सम्मेलन की सराहना करते हुए गांधी ने कहा कि इन परामर्श के फलस्वरूप दृष्टिपत्र तैयार हुआ जिसे आज जारी किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'वास्तव में यह सिर्फ दृष्टिपत्र नहीं, यह मिशन पत्र भी है जो राज्य के लोगों की अकांक्षाओं को पूरा करने के लिये विस्तृत खाका पेश करता है।' उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीथला और निदेशक बी एस शिजू के नेतृत्व वाले आरजीआईडीएस के दल को भी इस पहल के लिये बधाई दी। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ इतना ही और कहना चाहूंगी कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस राज्य के लोगों का भरोसा और विश्वास जीत कर जल्द ही विजन/मिशन दस्तावेज का अक्षरशः क्रियान्वयन शूरू करेगी।

तृणमूल की तुष्टिकरण, वोटबैंक की राजनीति ने राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला: योगी

मालदा (पश्चिम बंगाल)। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए उन पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध प्रवासियों को राज्य में आने की अनुमति देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया। आदित्यनाथ ने वादा किया कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो गो तस्करी को एक दिन के भीतर रोक दिया जाएगा। मालदा जिले के गज़ोले में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने दावा किया कि कभी देश की अगुवाई करने वाला पश्चिम बंगाल अराजक स्थिति का सामना कर रहा है। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि राज्य में लव जिहाद की घटनाएं हो रही हैं लेकिन तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार उन्हें रोकने में नाकाम रही है। आदित्यनाथ ने कहा, वोट बैंक की खातिर तुष्टिकरण की राजनीति ने न केवल पश्चिम बंगाल, बल्कि देश की सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया है। टीएमसी सरकार को शरणार्थियों को नागरिकता मिलने से समस्या है, लेकिन राज्य में अवैध प्रवासियों के आने से कोई दिक्कत नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में जय श्रीराम का नारे लगाने की अनुमित नहीं है। राज्य के लोग उनकी धार्मिक भावनाओं से खेलने के लिए टीएमसी को मुंह तोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में जय श्री राम का नारा लगाने की अनुमति नहीं है, लेकिन लोग इसे जारी नहीं रखेंगे। बंगाल में लव जिहाद' की घटनाएं हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में, हमने ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक कानून बनाया है, लेकिन टीएमसी सरकार गाय की तस्करी और लव जिहाद ,दोनों को रोकने में विफल रही है। उन्होंने कहा, अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है तो हम 24 घंटे में गाय की तस्करी रोकेंगे। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्य विधानसभा के लिए 27 मार्च से 29 अप्रैल के बीच आठ चरणों में चुनाव होने हैं।

असम की जनता को प्रियंका गांधी ने दी पांच गारंटी, कहा- कांग्रेस की सरकार बनाएं और लाभ उठाएं

गुवाहाटी। (एजेंसी)।

असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने तेजपुर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम खोखले वादे नहीं करने आए हैं। कुछ समय से असम में कांग्रेस के नेता भ्रमण कर रहे हैं और वहां पर उन्होंने जो बातें सुनी है उसके मुताबिक उन्होंने तय किया है कि असम की जनता को पांच गारंटी देंगे।

पहली गारंटी- कांग्रेस अगर असम में सत्ता में आई तो संशोधित नागरिकता कानून को निरस्त करने के लिए नया कानून लेकर आएगी।

दूसरी गारंटी- अगर हमारी सरकार बनेगी तो बिजली की 200 यूनिट आप लोगों को मुफ्त में मिलेंगे। बिजली के बिल से आपके 1400 रुपये हर महीने बच जाएंगे।

तीसरी गारंटी- गृहिणी सम्मान योजना दी जाएगी। इसके तहत घर संभालने वाली महिलाओं को 2000 रुपए महीना दिया जाएगा।

चौथी गारंटी- चाय बागानों में काम करने वालों की न्यूनतम दिहाड़ी बढ़ाई जाएगी। उन्हें 365 रुपए का वेतन दिया जाएगा।

पांचवी गारंटी- कांग्रेस पार्टी की असम में सरकार बनेगी तो कम से कम 5 लाख सरकारी नौकरियां देगी।

उन्होंने कहा कि हमारी एक पूरी टीम असम की अर्थव्यवस्था और आंकड़ों को देखकर एक योजना तैयार की है। जिसके तहत हमने आपको यह गारंटी दी है। उन्होंने कहा कि यहां की समस्याओं को सुनकर, बेरोजगारी को देखकर बहुत दुख होता है। यहां के नेता बड़े-बड़े नेता चार्टर प्लेन में घूमते हैं। आज कल चीनी और जापानी ग्रीन टी भी पीने लगे हैं। शायद उन्हें यहां की कड़क चाय पिलानी पड़ेगी और उन्हें याद दिलाना पड़ेगा कि उनकी जगह क्या है।

किसान आंदोलन: फड़णवीस ने हस्तियों के ट्वीट का मुद्दा उठाया, देशमुख ने किया बचाव

मुंबई। (एजेंसी)।

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को दिल्ली के नजदीक किसानों के आंदोलन को लेकर कुछ विदेशी हस्तियों के ट्वीट के बाद भारत के समर्थन में सचिन तेंदुलकर एवं लता मंगेशकर की ओर से किए गए ट्वीट की कथित जांच कराने को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने हालांकि इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के ट्वीट की जांच करने के आदेश दिए थे न कि क्रिकेटर तेंदुलकर और गायिका लता मंगेशकर द्वारा किए गए ट्वीट की।

उल्लेखनीय है कि देशमुख ने कहा था कि राज्य का खुफिया विभाग इस बात की जांच करेगा कि किसान आंदोलन को लेकर कुछ हस्तियों ने दबाव में तो ट्वीट नहीं किया। तेंदुलकर एवं मंगेशकर सहित कई प्रमुख हस्तियों ने केंद्र सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर चलाए हैशटैग भारत एकजुट है एवं भारत प्रोपगेंडा के खिलाफ है के साथ ट्वीट किया था। फडणवीस ने मंगलवार को महाराष्ट्र विधानसभा में कहा कि तेंदुलकर और मंगेशकर ने 'भारत प्रोपगेंड के खिलाफ है' और 'भारत एकजुट'' है ट्वीट किया था। उन्होंने कहा, 'क्या इस देश में भारत एकजुट कहना गलत है कोई खड़ा होता है और गृहमंत्री से शिकायत करता है।'' फडणवीस ने कहा कि देशमुख ऐसी शिकायतों पर कार्रवाई करने से पहले सोचें। देशमुख ने हालांकि फडणवीस के आरोपों से इनकार कर दिया। मंत्री ने कहा, 'मैंने तेंदुलकर या मंगेशकर की जांच कराने की बात नहीं की थी। मैंने राजनीतिक पार्टी के आईटी प्रकोष्ठ की जांच कराने की बात कही थी जिसका नाम मैं नहीं ले रहा।' उन्होंने कहा, 'जांच में 12 लोगों का नाम आया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।' बाद में देशमुख ने कहा कि यह भाजपा का आईटी प्रकोष्ठ है।

इतिहास में पहली बार नागपुर से बाहर होगी संघ की चुनावी बैठक, जानिए वजह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

इस साल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक बेंगलुरु में होनी है। यह बैठक 19 मार्च से लेकर 21 मार्च के बीच होगी। हालांकि, संघ की यह बैठक हर साल होती है लेकिन इस साल की यह बैठक कुछ खास है। दरअसल, इस साल संघ की चुनावी बैठक है। साथ ही साथ यह बैठक पहली बार नागपुर से बाहर आयोजित की जा रही है। संघ में हर 3 साल बाद सरकार्यवाह का चुनाव होता है। करीब एक दशक पहले तक संघ की इस सबसे बड़ी निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक नागपुर में ही की जाती रही है। लेकिन बाद में यह तय किया गया कि अब हर तीसरी बैठक नागपुर में होगी, बाकी की दो बैठक अलग-अलग हिस्सों में की जाएगी। इस साल भी यह बैठक नागपुर में ही होनी थी।

लेकिन, अब यह बैठक कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में होगी। संघ के एक पदाधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस की वजह से अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग नियम है। महाराष्ट्र में वर्तमान में कोरोना वायरस प्रकोप को ध्यान में रखते हुए यह बैठक नागपुर के बाहर कराने का फैसला लिया गया। नागपुर में भी कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। यही कारण है कि अब यह बैठक नागपुर की बजाय बेंगलुरु में की जा रही है। पदाधिकारी ने बताया कि हर तीसरे साल होने वाली बैठक में जिला संघचालक, प्रांत संघचालक विभाग, संघ चालक सहित सरकार्यवाह का चुनाव कराया जाता है। आपको बता दें कि संघ में सबसे बड़ा कार्यकारी पद सरकार्यवाह का ही होता है।

वर्तमान की बात करें तो भैया जी जोशी एक दशक से भी ज्यादा समय से संघ के सरकार्यवाह हैं। इस बार भी चर्चा इस बात की है कि शायद संघ को कोई नया सरकार्यवाहक मिल जाए। हालांकि, 3 साल पहले भी इसी तरह की कुछ चर्चा थी। लेकिन आखिर में भैया जी जोशी ही चुने गए। एक बात और है कि संघ के इतिहास में कभी चुनाव की नौबत नहीं आई है। अब तक हर बार सरकार्यवाह का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ है। चुनावी प्रक्रिया का पूरी तरह से पालन किया जाता है। सर कार्यवाहक के लिए नाम भी आमंत्रित किए जाते हैं। लेकिन फिर भी कभी वोटिंग की नौबत नहीं आई। चुनाव के बाद सरकार्यवाहक अपनी नई टीम का एलान करते हैं। कहा जा रहा है कि इस बार प्रतिनिधि सभा की संख्या में कमी की जा सकती है। संघ की इस बैठक में देश के भी कई मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है। साथ ही साथ पांच चुनावी राज्यों पर भी संघ की निगाहें रहेंगी।

सार समाचार

बाइडेन प्रशासन देगा चीन को झटका, अमेरिकी संसद में पेश हुआ यह विधेयक

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी के दो सांसदों ने प्रतिनिधि सभा में एक विधेयक पेश किया है, जिसमें अमेरिका से ताइवान के साथ औपचारिक राजनयिक संबंध बहाल करने और पुरानी हो चुकी एवं अनुत्पादक 'एक-चीन' की नीति को रद्द करने की अपील की गई है। सांसद टॉम टिफनी और स्कॉट पेरी ने यह विधेयक पेश किया है, जिसमें बाइडन प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ताइवान की सदस्यता को समर्थन देने और अमेरिका एवं ताइवान के बीच मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए ताइपे के साथ वार्ता करने की अपील की गई है। टिफनी ने कहा, ''पिछले करीब 40 साल से अमेरिका में दोनों दलों के राष्ट्रपतियों ने बीजिंग के इस झूठ को कई बार दोहराया है कि ताइवान साम्यवादी चीन का हिस्सा है, जबकि वास्तिक सच्चाई इसके विपरीत है। इस पुरानी हो चुकी नीति को बदलने की आवश्यकता है।'' अमेरिका के 1979 तक ताइवान की सरकार के साथ सामान्य राजनयिक संबंध थे, लेकिन तत्कालीन राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर ने ताइपे के साथ औपचारिक संबंध अचानक समाप्त कर दिए और चीन में साम्यवादी शासन को मान्यता दी। चीन ताइवान को विद्रोही प्रांत मानता है और वह उसे फिर से मुख्य भूमि में शामिल करना चाहता है।

पाकिस्तान में दर्दनाक हादसा, बारूदी सुरंग में विस्फोट में दो बच्चों की मौत

पेशावर (पाकिस्तान)। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में सोमवार को बारूदी सुरंग में विस्फोट में दो बच्चों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से सटे अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दक्षिण वजीरीस्तान कबायली जिले की शावल घाटी में हुई। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री महमूद खान ने दोनों बच्चों की मौत पर शोक और दुख जताया है। विस्फोट में मारे गये दोनों बच्चे भाई-बहन थे, जिनकी उम्र 12 वर्ष और आठ वर्ष थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शांति एवं सौहार्द बनाये रखने के लिए कबायली लोगों का बलिदान लंबे समय तक याद किया जाएगा।

कोविड वैक्सीन की आपूर्ति के लिए नेपाल ने भारत से लगाई मदद की गुहार

काठमांडू। नेपाल सात मार्च से 55 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए कोविड- रोधी टीकाकरण अभियान की शुरू करने की तैयारी कर रहा है। साथ ही देश भारत से टीके की 20 लाख खुराक खरीदने की योजना पर काम कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री हृदयेश त्रिपाठी ने रविवार को मीडिया को बताया कि टीके में लोगों का विश्वास बढ़ रहा है। नेपाल सरकार ने भारत सरकार से कोविशील्ड टीके की 10 लाख खुराकें ली थीं। सरकार भारत से कोविशील्ड की 20 लाख और खुराक खरीद रही है। इसी तरह चीन ने भी नेपाल को टीके की पांच लाख खुरा दान देने की पेशकश की है। नेपाल ने अपने कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान की सफल शुरुआत की है, लेकिन अधिकारियों को भविष्य की आपूर्ति को लेकर चिंता है। त्रिपाठी ने कहा, दुनियाभर में मुट्ठी भर कंपनियों से टीके की बहुत मांग की जा रही है और हम सूची के अंत में हो सकते हैं। उन्होंने कहा, अबतक हम राजनीतिक और प्रशासनिक मदद से भारत से टीका ले पाए हैं। मैं अब बहुत चिंतित हूं। मंत्री ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय अधिकारी अपने छोटे से उत्तरी पड़ोसी की एक बार फिर मदद करेंगे। उन्होंने कहा, हम कंपनियों से सामान्य व्यापारिक सौदा करके टीका हासिल नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हमारी प्रतिस्पर्धा दर्जनों अन्य देशों से है। इसलिए हमें (भारत) सरकार के प्रभाव की जरूरत है। नेपाल में कोरोना वायरस के 2,74,216 मामले सामने आए हैं और 2,777 लोगों की मौत हुई है।

भारत को निशाना बना रही है चीनी हैकर, अमेरिकी सांसद ने बाइडेन प्रशासन से की यह अपील

वाशिंगटन।अमेरिका के एक वरिष्ठ सांसद ने चीनी हैकरों द्वारा भारत की पावर ग्रिड प्रणाली को निशाना बनाने संबंधी रिपोर्ट के मद्देनजर सोमवार को बाइडेन प्रशासन से भारत का साथ देने का अनुरोध किया। साइबर हमले जैसी गतिविधियों की निगरानी करने वाली एक अमेरिकी कंपनी की रिपोर्ट में भारत की पावरग्रिड प्रणाली को निशाना बनाने की बात सामने आयी है। सांसद फ्रैंक पैलोन ने सोमवार को ट्वीट किया, ''अमेरिका को निश्चित रूप से हमारे रणनीतिक साझेदारों के साथ खड़ा रहना चाहिए और भारत के पावर ग्रिड पर चीन के खतरनाक साइबर हमले की निंदा करनी चाहिए, जिसकी वजह से महामारी के दौरान अस्पतालों को जनरेटरों का सहारा लेना पड़ा'' पैलोन ने ट्वीट किया, ''हम चीन को बल प्रयोग और डर के माध्यम से क्षेत्र में प्रभुत्व कायम करने की अनुमति नहीं दे सकते।'' इससे एक दिन पहले ही अमेरिका में मैसाचुसेट्स की कंपनी 'रिकॉर्डेड फ्यूचर' ने अपने हालिया अध्ययन में दावा किया कि भारत और चीन के बीच सीमा पर जारी तनाव के दौरान चीन सरकार से जुड़े हैकरों के एक समूह ने ''मालवेयर'' के जरिए भारत की पावरग्रिड प्रणाली को निशाना बनाया। आशंका है कि पिछले साल मुंबई में बड़े स्तर पर बिजली आपूर्ति ठप होने के पीछे शायद यही मुख्य कारण था। 'रिकॉर्डेड फ्यूचर' ने अपनी हालिया रिपोर्ट में चीन के समूह 'रेड इको' द्वारा भारतीय ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाए जाने का जिक्र किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस रिपोर्ट से अवगत है।

म्यांमार : तख्तापलट के खिलाफ फिर सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारी, पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े

यांगून। (एजेंसी)।

म्यांमार में पिछले महीने हुए सैन्य तख्तापलट के खिलाफ मंगलवार को प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पुलिस ने एक बार फिर आंसू गैस के गोले छोड़े और रबर की गोलियां चलायीं। प्रदर्शनकारी पुलिस कार्रवाई के बाद फिर से एकत्रित हुए। म्यांमा के प्राधिकारियों ने हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ कार्रवाई बढ़ा दी है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि उसका मानना है कि रविवार को सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 18 लोग मारे गए थे। दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने मंगलवार को इस संकट पर चर्चा के लिए बैठक की। कार्रवाई के बावजूद प्रदर्शनकारियों का बड़ी संख्या में सड़कों पर जमा होना जारी है। प्रदर्शनकारी उन्हें तितर-बितर करने के प्रयासों का अधिक कड़ाई से विरोध करने लगे हैं। म्यांमा के सबसे बड़े शहर यांगून में सैकड़ों प्रदर्शनकारी जमा हुए जिसमें से कई ने निर्माण क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले हेल्मेट पहने हुए थे। वहां एक दिन पहले पुलिस ने कई बार आंसू गैस के गोले दागे थे। उन्होंने बैरिकेड बनाने के लिए बांस और मलबे का इस्तेमाल किया और नारे लगाए। पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले छोड़े जाने पर प्रदर्शनकारी भाग जाते थे लेकिन जल्द ही अपने बैरिकेड पर एकत्रित हो जाते थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में उत्तरी यांगून के इंसेन इलाके में इसी तरह के अराजक दृश्य दिखाई दिए। प्रदर्शनकारियों ने दक्षिणपूर्वी म्यांमा के एक छोटे शहर दावी की सड़कों पर मार्च किया,इस दौरान वे झंडे और बैनर लिये हुए थे। प्रदर्शनकारियों के एक समूह को सुरक्षा बलों द्वारा निशाना बनाया गया क्योंकि यह समूह रविवार की कार्रवाई में मारे गए एक व्यक्ति के घर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए एक संकरी गली में घुस रहा था। एक अन्य समूह पर शहर के मध्य में मुख्य सड़क पर हमला किया गया। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार यांगून और दावी उन शहरों में हैं जहां सुरक्षा बलों ने रविवार को कथित रूप से भारी मात्रा में गोलाबारी की। ऐसी सूचना है कि उन्होंने मंगलवार को भी गोलीबारी की लेकिन तुरंत इसकी पुष्टि नहीं की जा सकी। संयुक्त राष्ट्र की म्यांमा पर विशेष दूत क्रिस्टीन श्रैनर बर्गनर ने सीएनएन से एक साक्षात्कार में कहा, ''मैं म्यांमा के लोगों से इस जाल में न पड़ने की अपील करता हूं, इसलिए वे शांतिपूर्ण रहें।'' उन्होंने साथ ही यह स्वीकार किया कि उनके लिए प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए अपील करना आसान है। उन्होंने प्राधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे सड़कों पर लोगों को और भड़काने के लिए हिरासत में लोगों की स्थितियों के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं। म्यांमा में एक फरवरी को सेना ने तख्तापलट करके देश की बागडोर अपने हाथ में ले ली।

व्हाइट हाउस में एक और भारतीय-अमेरिकी की हुई बड़े पद पर नियुक्ति

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय-अमेरिकी माजू वर्गीज को अपना उप सहायक और व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय (डब्ल्यूएचएमओ) का निदेशक नियुक्त किया है। इससे पहले वर्गीज बाइडन के चुनाव अभियान एवं शपथ ग्रहण समिति में भी अहम सदस्य के तौर पर काम कर चुके हैं। वर्गीज ने नियुक्ति की घोषणा के बाद व्हाइट हाउस के अराइवल लाउंज में खींची गई तस्वीर के साथ ट्वीट किया, ''माजू वर्गीज अब राष्ट्रपति के उप सहायक एवं व्हाइट हाउस सैन्य कार्यालय के निदेशक हैं।'' उन्होंने मंगलवार को तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''प्राइमरी और आम चुनाव के बाद शपथग्रहण, इस यात्रा के लिए, शानदार टीम के लिए और हमने जो इतिहास बनाया, उसके लिए आभारी हूं। देश और राष्ट्रपति की सेवा कर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं परिवार के साथ उन दरवाजों से दोबारा गुजर कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हैं, उनकी कहानी और उम्मीदें मेरे साथ है।'' उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचएमओ व्हाइट हाउस में ही एक कार्यालय है जो व्हाइट हाउस के कामकाज के लिए सैन्य मदद मुहैया कराता है जैसे कि खाद्य सेवा, राष्ट्रपति के लिए परिवहन, चिकित्सा एवं सत्कार सेवा। डब्ल्यूएचएमओ निदेशक अमेरिका के राष्ट्रपति की दुनिया भर में यात्रा के दौरान एयरफोर्स वन (राष्ट्रपति का आधिकारिक विमान) में सभी सैन्य परिचालन देखता है। उल्लेखनीय है कि वर्गीज का जन्म अमेरिका में ही हुआ है और उनके माता-पिता केरल के तिरुवला से यहां आए थे। उन्होंने मैसाच्युसेट्स विश्वविद्यालय से राजनीतिक शास्त्र एवं अर्थशास्त्र विषय में स्नातक किया है।

भारत का 'मेक इन इंडिया' अभियान अमेरिका- भारत व्यापार संबंधों में चुनौती

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी संसद से कहा है कि भारत में हाल में शुरू किया गया 'मेक इन इंडिया'कार्यक्रम दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में खड़ी होने वाली चुनौतियों का प्रतीक बन गया है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने अपनी 2021 की व्यापार नीति एजेंडा और 2020 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि 2020 के दौरान अमेरिका ने लगातार भारत के साथ बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिये प्रयास जारी रखा। यूएसटीआर की सोमवार को कांग्रेस को सौंपी गई इस रिपोर्ट में कहा गया है, ''भारत का बड़ा बाजार, आर्थिक वृद्धि और विकास की ओर अग्रसर उसकी अर्थव्यवस्था जहां उसे अमेरिकीनिर्यातकों के लिये आवश्यक बाजार बनाती है वहीं दूसरी तरफ भारत में सामान्य तौर पर व्यापार पर प्रतिबंध लगाने वाली नीतियों के चलते द्विपक्षीय व्यापार संभावनाओं को कम किया है।भारत में हाल में आयात के विकल्प के तौर पर शुरू किये गये 'मेक इन इंडिया' अभियान ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के समक्ष चुनौतियों को बढ़ा दिया है। अमेरिका ने 5 जून 2019 से सामन्यीकृत तरजीही प्रणाली (जीएसपी) कार्यक्रम के तहत भारत की पात्रता को समाप्त कर दिया था।

अमेरिका ने यह कदम जीएसपी बाजार पहुंच मानदंड के मामले में भारत के अनुपालन पात्रता को लेकर उठी चिंताओं की समीक्षा के बाद उठाया। जीएसपी के तहत भारत को मिलने वाले व्यापार लाभ निर्लंबित कर दिये जाने के बाद से ही अमेरिका और भारत 2019 से तार्किक बाजार पहुंच पैकेज पर काम करने में जुटे हुये हैं। वर्ष 2020 में भी यह काम जारी रहा। इस बातचीत में अमेरिका का उद्देश्य भारत में कई तरह की गैर- शुल्कीय बाधाओं को दूर करना, विभिन्न शुल्कों में लक्षित कमी लाना और भारत में अमेरिकी उत्पादों के लिये बाजार पहुंच में सुधार लाना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2019 में अमेरिका में आयात की गई सेवाओं में 62.3 अरब डालर के साथ ब्रिटेन लगातार सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा। वहीं भारत 29.7 अरब डालर की सेवाओं के आयात के साथ छठा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा। कनाडा से 38.6 अरब डालर, जापान से 35.8 अरब डालर, जर्मनी से 34.9 अरब डालर और मैक्सिको से 29.8 अरब डालर की सेवाओं का आयात किया गया।

डब्ल्यूटीओ में कोविड-19 टीकों पर छूट को नहीं रोकने का अनुरोध, कोरोना मरीजों को होगा फायदा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका का समर्थन करते हुए अमेरिका के सैकड़ों सामाजिक संगठनों और तीन वरिष्ठ सांसदों ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन से डब्ल्यूटीओ में कोविड-19 टीकों पर मिलने वाली छूट को नहीं रोकने का अनुरोध किया है और कहा है कि इस छूट से दुनियाभर में कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज को बढ़ावा मिलेगा। बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार संबंधी पहलुओं (टीआरआईपीएस) पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समझौते के तहत देशों को दवाइयों, परीक्षणों और उत्पादन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों के लिए दीर्घकालिक एकाधिकार सुरक्षा प्रदान करना जरूरी होता है। एक बयान में कहा गया है कि हर क्षेत्र में उत्पादन क्षमता होती है और डब्ल्यूटीओ के नियम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जरूरी फॉर्मूला और प्रौद्योगिकी तक समय रहते निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने से रोकते हैं। निर्माण अधिक मात्रा में नहीं होने से 2024 तक विकासशील देशों के कई लोगों को कोविड-19 टीका नहीं मिल पाएगा। प्रतिनिधि सभा में हाउस एप्रोप्रिएशंस कमेटी की अध्यक्ष एवं सांसद रोसा डेलॉरा ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कोविड-19 महामारी किसी देश की सीमा तक सीमित नहीं है। ऐसे में दुनियाभर में टीके का निर्माण एवं वितरण बेहद अहम हो जाता है। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीओ से टीआरआईपीएस से छूट की मांग की है जिससे वैश्विक समुदाय को कोविड-19 के निदान, उपचार और टीकों को विकासशील देशों को उपलब्ध कराते हुए इस समस्या से निपटने की दिशा में मदद मिलेगी।'' सांसद अर्ल ब्लूमेनॉर और सांसद जैन शाकोवस्की ने भी राष्ट्रपति जो बाइडन से इस बारे में दखल देने का अनुरोध किया है।

क्या पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में था सऊदी अरब के शहजादे का हाथ? संयुक्त राष्ट्र में उठे सवाल

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में सऊदी अरब के राजदूत ने सोमवार को अमेरिका की उस खुफिया रिपोर्ट पर सवाल उठाए, जिसमें सऊदी अरब के शहजादे (क्राउन प्रिंस) द्वारा पत्रकार जमाल खशोगी को ''पकड़ने या मारने'' के एक अभियान को मंजूरी देने का दावा किया गया है। अब्दुल्लाह अल-मौलिमी ने इस रिपोर्ट पर विरोध जताते हुए ट्वीट किया, '' हम सभी को दुनिया के गंभीर मुद्दों के समाधान के लिये आगे बढ़ना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि 'सेंटूल इंटेलिजेंस एजेंसी' की नई रिपोर्ट '' हो सकता है, होना चाहिए तथा हुआ होगा पर आधारित है और संदेह के अलावा आरोप साबित करने में सक्षम नहीं है।'' रिपोर्ट में सऊदी अरब के शहजादे (क्राउन प्रिंस) मोहम्मद बिन सलमान का नाम लिये बगैर इशारों में कहा गया कि उन्होंने इस्तांबुल में पत्रकार जमाल खशोगी को ''पकड़ने या मारने'' के एक अभियान को मंजूरी दी थी। सऊदी अरब के असंतुष्ट पत्रकार की बर्बर हत्या से संबंधित यह रिपोर्ट अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने जारी की है।

रिपोर्ट खुफिया अधिकारियों ने हालांकि यह नहीं कहा कि शहजादे मोहम्मद बिन सलमान ने अक्टूबर 2018 में खशोगी की हत्या का आदेश दिया था, बल्कि उन्होंने चार पृष्ठ के दस्तावेज में कहा कि शहजादे का देश की सुरक्षा एवं खुफिया संगठनों पर पूर्ण नियंत्रण है। इस बात की संभावना नहीं है कि सऊदी अधिकारी इस प्रकृति का अभियान बिना शहजादे की इजाजत के चलाएं। उन्होंने कहा, '' यदि यह एक वैध तर्क है कि अबू गरीब अपराधों के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और रक्षा मंत्री जिम्मेदार क्यों नहीं थे?'' अल-मौलिमी का इशारा इराकी जेल की 2004 में सामने आई उन तस्वीरों से था, जिनमें अमेरिकी सैनिक कैदियों पर अत्याचार करते नजर आ रहे थे। अल-मौलिमी ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, '' शहजादे ने साहसपूर्वक नैतिक जिम्मेदारी ली, आरोपी को न्याय के दायरे में लेकर आए और खुफिया संगठनों को सुधारने का संकल्प व्यक्त किया। मामला बंद।'' गौरतलब है कि खशोगी की दो अक्टूबर 2018 को तुर्की के इस्तांबुल शहर में सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में मोहम्मद बिन सलमान से संबंधित लोगों ने हत्या कर दी थी। वह अमेरिका के वैध स्थायी निवासी थे और वाशिंगटन पोस्ट अखबार में लेख लिखते थे और शहजादे की नीतियों के कटु आलोचक थे। खशोगी के शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए थे और उनके अवशेष कभी नहीं मिले। सऊदी अरब को आखिरकार मानना पड़ा कि खशोगी की हत्या गलती से हुई थी हालांकि हत्याकांड में शहजादे की संलिप्तता से इनकार किया था।

अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्री ने ट्रंप पर लगाया आरोप, कहा- पूर्व राष्ट्रपति ने आव्रजन प्रणाली को किया ध्वस्त

वाशिंगटन। अमेरिका के गृह सुरक्षा मंत्री एलेजांद्रो मायोरकास ने सोमवार को आरोप लगाया कि देश के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी आव्रजन प्रणाली को ध्वस्त कर दिया और इसे ''नए सिरे से पुन- बनाने में'' समय लगेगा। पूर्ववर्ती ट्रंप सरकार ने अमेरिका में शरण मांगने वालों के लिए आव्रजन नियम कड़े कर दिए थे और अमेरिकी कर्मियों की रक्षा के लिए योग्यता के आधार पर आव्रजन प्रणाली की वकालत की थी। मायोरकास ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम पूर्ववर्ती प्रशासन की निर्दयता को एक व्यवस्थित, मानवीय एवं सुरक्षित आव्रजन प्रणाली के जरिए बदलने के लिए चौबीस घंटे काम कर रहे हैं और हम इसे हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह मुश्किल है और इसमें समय लगेगा, लेकिन इस बात का भरोसा है कि हम यह कर लेंगे।'' गृह सुरक्षा मंत्री ने संसद में पारित मानवीय कानूनों को लागू करने में पर्याप्त सुविधाओं के ''अभाव'' की बात की। उन्होंने कहा, ''पूरी प्रणालियां एक दिन या कुछ सप्ताह में नहीं बन जातीं। संक्षेप में कहें, तो पूर्ववर्ती प्रशासन ने हमारे देश की आव्रजन प्रणाली को पूरी तरह नष्ट कर दिया। जब मैंने 27 दिन पहले पदभार संभाला, तो पाया कि हमारे पास संसद में वर्षों पहले पारित मानवतावादी कानूनों को लागू करने के लिए पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं।

ग्रे सूची से खुद को निकालेगा पाकिस्तान, क्या एफएटीएफ की तीनों बिंदुओं को कर सकेगा पूरा?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर धन शोधन एवं आतंकवादियों के वित्त पोषण पर नजर रखने वाले वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की 27 बिंदुओं वाली कार्य योजना के तीन बचे हुए मापदंडों को जून की नई समयसीमा समाप्त होने से पहले पूरा करने के लिए एक और विधेयक की आवश्यकता होगी। एक मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को जून 2018 में ग्रे सूची में डाल दिया था और उससे 2019 के अंत तक धनशोधन एवं आतंकवादियों को वित्त पोषण रोकने के लिए कार्य योजना लागू करने को कहा था, लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण इस समय सीमा को बढ़ा दिया गया था। एफएटीएफ ने पिछले महीने नई समय सीमा तय की थी। पाकिस्तान धनशोधन एवं आतंकवाद को वित्त पोषण रोधी एफएटीएफ के नियमों का पालन नहीं करने वाले देशों की सूची में डाले जाने से बचने के लिए हालिया कुछ महीनों से काफी कोशिश कर रहा है। यदि पाकिस्तान को इस सूची में डाल दिया जाता है, तो पहले ही कमजोर उसकी अर्थव्यवस्था को और नुकसान होने की आशंका है। 'डॉन' समाचार पत्र ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि पाकिस्तान सरकार को बची हुई चिंताओं से निपटने के लिए विधेयक बनाने और अन्य कदमों में प्रगति को लेकर एफएटीएफ को एक महीने के भीतर अद्यतन रिपोर्ट भेजनी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने एफएटीएफ की अनिवार्यताओं को पूरा करने के लिए पिछले एक साल से अधिक समय में करीब तीन दर्जन कानूनों में बदलाव किया है, ऐसे में अतिरिक्त विधेयक लाने में कोई दिक्कत नहीं आनी चाहिए।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री अब्दुल हफीज शेख ने धनशोधन रोधी राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एफएटीएफ समन्वय समिति के अध्यक्ष और उद्योग एवं उत्पादन मंत्री हम्माद अजहर और वित्तीय निगरानी इकाई (एमएमयू) से संघीय सरकार की एजेंसियों एवं सशस्त्र बलों के साथ विचार-विमर्श करके अतिरिक्त विधेयक के लिए तत्काल समय सीमा तय करने को कहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा देखा गया है कि पाकिस्तान ने पिछले दो साल में काफी प्रगति की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी तारीफ की है, लेकिन बार-बार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं हो पाने और समय सीमा के भीतर काम नहीं हो पाने के कारण गलत संदेश जाता है। एनईसी को सूचित किया गया कि पाकिस्तान को एफएटीएफ को 30 दिन के भीतर बताना होगा कि वह एफएटीएफ द्वारा रेखांकित की गई अपनी कमियों को किस समय सीमा में पूरा करेगा और उसकी आगे की क्या योजना है।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान को एक अतिरिक्त विधेयक बनाना होगा, जिनमें मौजूदा ढांचे की उन कुछ कमजोरियों को दूर किया जाए, जो आतंकवादी संगठनों के लिए काम कर रहे लोगों को पकड़ने या उन पर प्रतिबंध लगाने समेत उनके खिलाफ कदम उठाने और

उन पर मुकदमा चलाने की प्राधिकारियों की शक्तियों को सीमित करती हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पाकिस्तान को तीन शेष बिंदुओं पर काम करना हैं। उसे यह दिखाना होगा कि प्रतिबंधित व्यक्तियों एवं संगठनों के लिए काम करने वाले लोगों एवं संगठनों को निशाना बनाकर आतंकवाद के वित्तपोषण संबंधी जांच की गईं और अभियोग चलाए गए। इसके अलावा पाकिस्तान को यह दिखाना होगा कि इन अभियोगों के कारण प्रभावशाली और पर्याप्त प्रतिबंध लगाए गए। पाकिस्तान को यह भी दिखाना होगा कि उसने सभी प्रतिबंधित आतंवादियों के खिलाफ वित्तीय प्रतिबंधों का प्रभावशाली क्रियान्वयन किया। सूत्रों ने बताया कि बैठक में बताया गया कि तीन में से एक बिंदु पर काफी काम कर लिया गया है,लेकिन जिन दो बिंदुओं को दिखाने के लिए अतिरिक्त विधेयक की आवश्यकता है, उन क्षेत्रों में लक्ष्य हासिल करने में समय लगेगा।

संपादकीय

ऊर्जा तंत्र में सेंध

अमेरिका से आई एक रिपोर्ट ने चीन के प्रति भारत को आगाह किया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। साइबरस्पेस कंपनी, रिकॉर्डेड फ्यूचर ने भारत सरकार को चीन से जुड़े खतरे की सूचना दी है। रिपोर्ट में यह आशंका जताई गई है कि चीन का एक साइबर समूह रेड इको मुंबई में बिजली फेल होने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। यह आरोप लगाते हुए रिकॉर्डेड फ्यूचर ने ठोस प्रमाण तो नहीं पेश किए हैं, पर परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के जरिए यह समझाने की कोशिश की है कि चीन खतरा बन सकता है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पावर ग्रिड नेटवर्क का संचालन साइबर आधारित होता जा रहा है। जिस इंटरनेट प्रोग्राम के जरिए पावर ग्रिड को संभाला जाता है, अगर उसमें कोई देश घुसपैठ कर ले, तो वाकई किसी भी देश में बिजली की व्यवस्था को बाधित कर सकता है। अमेरिकी रिपोर्ट ने बताया है कि 12 अक्तूबर, 2020 को मुंबई में बिजली व्यवस्था ठप हो गई थी, यह कारस्तानी चीन के हैकरों की हो सकती है। इस रिपोर्ट के बाद भारत सरकार को पूरी गंभीरता से इस कथित घुसपैठ की जांच करनी चाहिए। संभव है, यह जांच पहले से ही जारी हो और भारतीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस तकनीकी आपदा का इलाज खोज लिया हो। वाकई यह चिंता की बात है, अगर चीन भारतीय बिजली व्यवस्था में घुसपैठ में सक्षम हो चुका है। क्या भारत में ऐसा करने में सक्षम है? विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी ही घुसपैठ रूस ने अमेरिकी पावर ग्रिड में की थी, लेकिन तब अमेरिकी विशेषज्ञों ने भी रूसी पावर ग्रिड में सेंध मारकर रूसियों को सचेत कर दिया था। भारत को आगाह करते हुए रिपोर्ट ने यह स्पष्ट संकेत कर दिया है कि साइबर सेंध से बचने में वही देश कामयाब होगा, जो साइबर सेंध मारने की क्षमता रखेगा। भारत को ऐसे साइबर युद्ध से बचने में पूरी तरह सक्षम होना चाहिए और इसके साथ ही उसको निशाना बनाने वाले दुश्मनों को भी पता होना चाहिए कि सेंधमारी करके वह भी नहीं बचेंगे। दुश्मन आप से उसी हथियार से लड़ना चाहता है, जिसमें वह आपको कमजोर मानता है। हमें देखना होगा कि साइबर सुरक्षा के मामले में अगर चीन हमें कमजोर मान रहा है, तो हम अपनी कमजोरी कैसे दूर करेंगे। एक सवाल यह भी है कि क्या अमेरिका इन दिनों भारत के लिए अतिरिक्त रूप से सचेत है। अमेरिका के भी अनेक पहलू हैं, वहां अनेक तरह की संस्थाएं हैं, जो अपने-अपने ढंग से विश्लेषण करती रहती हैं। हमें अपने स्तर पर भला-बुरा सोचते हुए चलना है। चीन और अमेरिका के बीच बहुत भौगोलिक दूरी है, लेकिन चीन हमारा पड़ोसी है। हम न तो अत्यधिक उदार हो सकते हैं और न अत्यधिक आक्रामक। हमें सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संतुलन बनाकर चलना होगा। अपनी बिजली व्यवस्था को ही नहीं, अपने पूरे तंत्र को चाक-चौबंद बनाना होगा। प्रौद्योगिकी के स्तर पर किसी भी तरह की सेंध की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। बिजली, पानी की आपूर्ति ही नहीं, बल्कि किसी भी तरह की सार्वजनिक सेवा भी साइबर हमले में बाधित नहीं होनी चाहिए। दुनिया के तमाम विकसित देश अपनी-अपनी साइबर सुरक्षा मजबूत करने में लगे हैं, चीन तो खासतौर पर सक्रिय है। हमें मानकर चलना चाहिए कि साइबर मैदान में युद्ध अब निरंतर जारी रहेगा। लुटने से वही बचेगा, जिसके ताले अकाट्य होंगे।

आज के ट्वीट

मुहर

गुजरात के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र ने सर्वसम्मति से विकास पर मुहर लगाई है। सरकार के जनहित के कार्यों ने जहां लोगों के दिलों में जगह बनाई है, वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत रंग लाई है। हमारी पार्टी गुजरात के सभी भाई-बहनों की प्रगति और राज्य की उन्नति के लिए काम करती रहेगी। -- पीएम

जैव विविधता पर मंडराता खतरा

विश्व वन्यजीव दिवस (3 मार्च) पर विशेष/ योगेश कुमार गोयल

जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवन यापन के योग्य बनाती है किन्तु विडम्बना है कि निरन्तर बढ़ते प्रदूषण रूपी राक्षस वातावरण पर इतना खतरनाक प्रभाव डाल रहा है कि जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 दिसम्बर 2013 को अपने 68वें सत्र में 3 मार्च के दिन को 'विश्व वन्यजीव दिवस' के रूप में अपनाए जाने की घोषणा की। अगर भारत में कुछ जीव-जंतुओं की प्रजातियों पर मंडराते खतरों की बात करें तो जैव विविधता पर दिसम्बर 2018 में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीबीडी) में पेश की गई छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट से पता चला था कि अंतर्राष्ट्रीय 'रेड लिस्ट' की गंभीर रूप से लुप्तप्रायः और संकटग्रस्त श्रेणियों में भारतीय जीव प्रजातियों की सूची वर्षों से बढ़ रही है। इस सूची में शामिल प्रजातियों की संख्या में वृद्धि जैव विविधता तथा वन्य आवासों पर गंभीर तनाव का संकेत है। भारत में इस समय नौ सौ से भी अधिक दुर्लभ प्रजातियां खतरे में बताई जा रही हैं। यही नहीं, विश्व धरोहर को गंवाने वाले देशों की सूची में दुनियाभर में भारत का चीन के बाद सातवां स्थान है। भारत का समुद्री पारिस्थितिकीय तंत्र करीब 20444 जीव प्रजातियों के समुदाय की मेजबानी करता है, जिनमें से 1180 प्रजातियों को संकटग्रस्त तथा तत्काल संरक्षण के लिए सूचीबद्ध किया गया है। अगर देश में प्रमुख रूप से लुप्त होती कुछेक जीव-जंतुओं की प्रजातियों की बात करें तो कश्मीर में पाए जाने वाले हांगलू की संख्या सिर्फ दो सौ के आसपास रह गई है, जिनमें से करीब 110 दाचीगाम नेशनल पार्क में हैं। इसी प्रकार आमतौर पर दलदली क्षेत्रों में पाई जाने वाली बारहसिंगा हिरण की प्रजाति अब मध्य भारत के कुछ वनों तक ही सीमित रह गई है। वर्ष 1987 के बाद से मालाबार गंधबिलाव नहीं देखा गया है। हालांकि माना जाता है कि इनकी संख्या पश्चिमी घाट में फिलहाल दो सौ के करीब बची है। दक्षिण अंडमान के माउंट हैरियट में पाया जाने वाला दुनिया का सबसे छोटा स्तनपायी सफेद दांत वाला छछूंदर लुप्त होने के कगार पर है। एशियाई शेर भी गुजरात के गिर वनों तक ही सीमित हैं। देश में हर साल बड़ी संख्या में बाघ मर रहे हैं, हाथी कई बार ट्रेनों से टकराकर मौत के मुंह में समा रहे हैं, इनमें से कईयों को वन्य तस्कर मार डालते हैं। कभी गांवों या शहरों में बाघ घुस आता है तो कभी तेंदुआ और घंटों-घंटों या कई-कई दिनों तक दहशत का माहौल बन जाता है। यह सब वन क्षेत्रों के घटने और विकास परियोजनाओं के चलते वन्य जीवों के आश्रय स्थलों में बढ़ती मानवीय घुसपैठ का ही परिणाम है कि वन्य जीवों तथा मनुष्यों का टकराव लगातार बढ़ रहा है और वन्य प्राणी अभयारण्यों की सीमा पार कर बाघ, तेंदुए इत्यादि वन्य जीव अब अक्सर बेघर होकर भोजन की तलाश में शहरों का रुख करने लगे हैं, जो कभी खेतों में लहलहाती फसलों को तहस-नहस कर देते हैं तो कभी इंसानों पर जानलेवा हमले कर देते हैं। 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आईयूसीएन) के मुताबिक भारत में पौधों की करीब 45 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं और इनमें से भी 1336 प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। इसी प्रकार फूलों की पाई जाने वाली 15 हजार प्रजातियों में से डेढ़ हजार प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरण वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदूषण तथा स्मॉग भरे वातावरण में कीड़े-मकोड़े सुस्त पड़ जाते हैं। प्रदूषण का जहर अब मधुमक्खियों तथा सिल्क वर्म जैसे जीवों के शरीर में भी पहुंच रहा है। रंग-बिरंगी तितलियों को भी इससे काफी नुकसान हो रहा है। यही नहीं, अत्यधिक प्रदूषित स्थानों पर तो पेड़-पौधों पर भी इसका इतना बुरा प्रभाव पड़ रहा है कि हवा में सल्फर डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन तथा ओजोन की अधिक मात्रा के चलते पेड़-पौधों की पत्तियां भी जल्दी टूट जाती हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि अगर इस ओर जल्द ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़-पौधों तथा जीव-जंतुओं की कई प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। पृथ्वी पर पेड़ों की संख्या घटने से अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए भारत में पहला कानून 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' ब्रिटिश शासनकाल में 1872 में बनाया गया था। 1927 में ब्रिटिश शासनकाल में ही 'भारतीय वन अधिनियम' बनाकर वन्य जीवों का शिकार तथा वनों की अवैध कटाई को अपराध की श्रेणी में रखते हुए दंड का प्रावधान किया गया। 1956 में एकबार फिर 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और वन्य जीवों के बिगड़ते हालातों में सुधार के लिए 1983 में 'राष्ट्रीय वन्य जीव योजना' की शुरुआत की गई, जिसके तहत कई नेशनल पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। हालांकि नेशनल पार्क बनाने का सिलसिला ब्रिटिश काल में ही शुरू हो गया था, जब सबसे पहला नेशनल पार्क 1905 में असम में बनाया गया था और उसके बाद दूसरा नेशनल पार्क 'जिम कार्बेट पार्क' 1936 में बंगाल टाइगर के संरक्षण के लिए उत्तराखण्ड में बनाया गया था लेकिन आज नेशनल पार्कों की संख्या बढ़कर 103 हो गई है और देश में कुल 530 वन्य जीव अभयारण्य भी हैं, जिनमें 13 राज्यों में 18 बाघ अभयारण्य भी स्थापित किए गए हैं। आजादी के बाद से देश में वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें 'कस्तूरी मृग परियोजना 1970', 'प्रोजेक्ट हुंगल 1970', 'गिर सिंह परियोजना 1972', 'बाघ परियोजना 1973', 'कछुआ संरक्षण परियोजना 1975', 'गैंडा परियोजना 1987', 'हाथी परियोजना 1992', 'गिद्ध संरक्षण परियोजना 2006', 'हिम तेंदुआ परियोजना 2009' इत्यादि शामिल हैं। इस तरह की कई परियोजनाएं शुरू किए जाने के बावजूद शेर, बाघ, हाथी, गैंडे इत्यादि अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भारत फिलहाल जैव विविधता पर करीब दो अरब डॉलर खर्च कर रहा है और इसे वन्य जीवों के संरक्षण के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं की सफलता ही माना जाना चाहिए कि जहां 2006 में देश में व्यस्क बाघों की संख्या 1411 थी, वह 2010 में बढ़कर 1706, 2014 में 2226 और 2018 में 2967 हो गई। हालांकि बाघों की बढ़ी संख्या का यह आंकड़ा अभी संतोषजनक नहीं है क्योंकि इसी देश में कभी बाघों की संख्या करीब 40 हजार हुआ करती थी। सरकारी योजनाओं की सफलता का ही असर है कि आईयूसीन द्वारा शेर जैसी पूंछवाले बंदरों की संख्या बढ़ने के कारण इन्हें 25 लुप्तप्रायः जानवरों की सूची से हटा दिया गया है। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार 2011 में भारत में जानवरों की 193 नई प्रजातियां भी पाई गई। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव-जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। अगर विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ-साथ जीव-जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे-धीरे धरती से एक-एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा। बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इस कदर स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए। हमें अब भली-भांति समझ लेना होगा कि पृथ्वी पर जैव विविधता को बनाए रखने के लिए सबसे जरूरी और सबसे महत्वपूर्ण यही है कि हम धरती की पर्यावरण संबंधित स्थिति के तालमेल को बनाए रखें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

तीन दुख

श्रीराम शर्मा आचार्य/ समस्त दुःखों का कारण है-अज्ञान, अशक्ति व अभाव। जो इन तीनों को जिस सीमा तक अपने से दूर करने में समर्थ होगा, वह उतना ही सुखी बन सकेगा। अज्ञान के कारण मनुष्य का दृष्टिकोण दूषित हो जाता है। वह तत्वज्ञान से अपरिचित होने के कारण उल्टा-सीधा सोचता और करता है। तदनुरूप उलझनों में फंसता जाता है और दुःखी बनता है। स्वार्थ, लोभ, अहंकार और क्रोध की भावनाएं मनुष्य को कर्त्तव्यच्युत करती हैं और वह दूरदर्शिता को छोड़कर क्षणिक लाभ वाले बातें ही सोचता है तथा वैसे ही करता है। फलस्वरूप उसके विचार और कार्य पापमय होने लगते हैं। पापों का निश्चित परिणाम दुःख ही है। अज्ञान के कारण वह अपने और दूसरे सांसारिक गतिविधियों के मूल हेतुओं को नहीं समझ पाता और असंभव आशाएं रखता है। इस उल्टे दृष्टिकोण के कारण साधारण सी बातें उसे दुःखमय दिखाई देती हैं जिसके कारण वह रोता-चिल्लाता रहता है। अपने करीबियों की मृत्यु, साथियों की भिन्न रुचि, परिस्थितियों का उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। पर अज्ञानी सोचता है कि मैं जो चाहता हूं, वही होता रहे। अज्ञान के कारण भूलें भी अनेक प्रकार की होती हैं। समीपस्थ सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है, यह भी दुःख का हेतु है। अशक्ति का अर्थ है-निर्बलता। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक, आत्मिक निर्बलता के कारण मनुष्य अपने स्वाभाविक अधिकारों का भार अपने कंधों पर उठाने में समर्थ नहीं होता। फलस्वरूप उसे वंचित रहना पड़ता है। शरीर को बीमारी ने घेर रखा हो तो स्वादिष्ट भोजन, मधुर संगीत आदि निर्थक हैं। धन-दौलत का कोई कहने लायक सुख उसे नहीं मिल सकता। बौद्धिक निर्बलता हो तो साहित्य, मनन, चिंतन का रस प्राप्त नहीं हो सकता। आत्मिक निर्बलता हो तो सत्संग, प्रेम, भक्ति आदि का आनंद दुर्लभ है। सर्दी जो बलवानों को बल-बुद्धि प्रदान करती है, रसिकों को रस देती है, वह कमजोरों को निमोनिया, गठिया आदि का कारण बन जाती है। जो तत्व निर्बलों के लिए प्राणघातक हैं, वे ही बलवानों को सहायक सिद्ध होते हैं। कमजोर को सताने और मिटाने के लिए अनेकों तथ्य प्रकट हो जाते हैं। अभावजन्य दुःख है-पदार्थ का अभाव। अन्न, वस्त्र, मकान, औषधि आदि के अभाव में विविध प्रकार की पीड़ाएं, कठिनाइयां भुगतनी पड़ती हैं। उचित आवश्यकताओं को कुचलकर, मन मारकर बैठना पड़ता है और जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों को मिट्टी के मोल नष्ट करना पड़ता है। योग्य और समर्थ व्यक्ति भी साधनों के अभाव में लुंज-पुंज अनुभव करते हैं और दुःख उठाते हैं। तीनों प्रकार के दुःखों के कारणों को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

एमएसपी से तिलहन में आत्मनिर्भरता

शेर सिंह सांगवान

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा 1970 से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं और चावल की असीमित खरीद नीति; अनाज में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए किसानों हेतु एक निर्णायक प्रोत्साहन साबित हुई है। पंजाब और हरियाणा में गेहूं की एमएसपी पर खरीद पिछले 50 वर्षों से हो रही है तथा मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश पिछले 10 वर्षों में शामिल हुए हैं, जिससे उनके गेहूं उत्पादन में तेजी आई है। इसी तरह, चावल की खरीद मुख्य रूप से पंजाब, आंध्र प्रदेश और हरियाणा में की की जा रही है, लेकिन हाल के वर्षों में, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ व उड़ीसा जैसे अन्य राज्य भी इसमें शामिल हुए हैं, जिसके परिणाम स्वरूप इसका उत्पादन तेजी से हुआ है। निरंतर एमएसपी पर खरीद के कारण चावल और गेहूं का वर्तमान स्टॉक उनके आवश्यक बफर के दोगुने से अधिक है, जबकि हम लगभग एक लाख करोड़ रुपये के दाल और तिलहन आयात कर रहे है। भारत सरकार ने खरीफ 2017 से दालों और तिलहन की खरीद भी एक अभूतपूर्व मात्रा में की है। यह खरीद उनकी एमएसपी पर मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत नेफेड के माध्यम से राजस्थान, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में की गई है। इनमें से अधिकांश राज्य गेहूं और चावल की खरीद के लाभार्थी नहीं रहे हैं। इन राज्यों के किसानों ने इन फसलों के तहत रकबा बढ़ाया है। पिछले कुछ वर्षों में दालों की एमएसपी पर बढ़ी हुई खरीद के परिणामस्वरूप ही 2018-19 के बाद से उनका आयात नगण्य है, जो 2016-17 में लगभग 6 मिलियन टन था। लेकिन तिलहन उत्पादन में अब तक वृद्धि पर्याप्त नहीं है क्योंकि अभी भी हम लगभग 15 मिलियन टन वनस्पति तेल और बीज का आयात कर रहे हैं, जिसकी लागत का लगभग 70000 करोड़ रुपये है। अभी भी पंजाब, हरियाणा और यूपी के गेहूं उत्पादक राज्यों में किसान तिलहन के तहत कम क्षेत्र आवंटित कर रहे हैं, हालांकि, सरसों से उनकी आय गेहूं से अधिक है। उदाहरण के लिए, दो साल पहले, गेहूं उत्पादन में अग्रणी कैथल जिले के एक किसान ने बताया कि वे गेहूं की तुलना में सरसों से अधिक आय प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन एमएसपी पर सरसों खरीद की अनिश्चितता और उसकी कीमतों में अधिक अस्थिरता उन्हें वापस मोड़ रही है। उल्लेखनीय है कि कैथल जिले में हरियाणा में सरसों की सबसे अधिक पैदावार 11 क्विंटल प्रति एकड़ है और वर्ष 2021 में एमएसपी पर इसका सकल मूल्य रु. 51150 है, इसकी तुलना में गेहूं से 20 क्विंटल औसत उपज पर 39500 रुपये है। इसके अलावा गेहूं के मुकाबले सरसों के उत्पादन की लागत कम होगी। पंजाब के कुछ जिलों में 12 क्विंटल प्रति एकड़ तक की उपज की सूचना दी गई है। यदि एमएसपी पर सरसों की खरीद को असीमित कर दिया जाता है तो उसका मूल्य जोखिम शून्य हो जायेगा, तब कई किसान अधिक आय के लिए गेहूं से सरसों के उत्पादन में बदलाव करेंगे। स्मरण रहे कि वर्तमान में सरसों की एमएसपी पर खरीद, उत्पादन का 25 प्रतिशत या 25 क्विंटल प्रति किसान है जब कि गेहूं की खरीद असीमित है। एमएसपी पर खरीद सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सुरक्षा के लिए अनाज स्टॉक बढ़ाने के लिए एफसीआई द्वारा शुरू की गई थी। एफसीआई का लाभ कमाने का कोई मकसद नहीं है यही कारण है कि आज उस पर लगभग 3 लाख करोड़ की देनदारी है। यह सोचा गया था कि नेफेड द्वारा तिलहन और दालों की 25 प्रतिशत खरीद के बाद, बाजार मूल्य में वृद्धि होगी परंतु 2018-19 में 8 राज्यों के हमारे अध्ययन के दौरान पता चला कि ऐसा नहीं हुआ है। इसलिए, अनाज और दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के बाद, भारत सरकार को तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और अपने आयात में प्रति वर्ष लगभग एक लाख करोड़ रुपये बचाने के लिए कुछ वर्षों के लिए 100 प्रतिशत तिलहन और 50 प्रतिशत दालों की खरीद करनी चाहिए। नतीजतन, सिंचित क्षेत्रों के कई किसान गेहूं से सरसों में में बदलाव कर सकते हैं। रोहतक के एक अधिवक्ता किसान जो 2016-17 में कम कृषि कीमतों से तंग आ गया था, एक संकेत दिया– 'मेरे दोस्त के पास ऑस्ट्रेलिया में एक खेत है और उसकी सारी उपज न्यूनतम गारंटीकृत कीमतों पर खेत से उठाई जाती है। लेकिन उसे बुवाई के मौसम से पहले हर साल अपनी उत्पादन योजना को मंजूरी सरकार से लेनी होती है।'

इसका मतलब है कि कृषि उत्पादन अकेले किसानों के लिए नहीं बल्कि समग्र रूप से समाज, देश की आवश्यकता के लिए है। यह संभव हो सकता है, यदि बुवाई के मौसम से पहले, 100 प्रतिशत तिलहन और 50 प्रतिशत दालों के लिए एमएसपी पर खरीद का आश्वासन दिया जाये; तथा गेहूं और धान की खरीद को युक्तिसंगत बनाया जाये यानी सभी 86 प्रतिशत छोटे किसानों को पूरी खरीदारी का वादा। इस नीति के परिणामस्वरूप उर्वरकों और पानी का अधिकतम उपयोग होगा ।

आईएएस ऑफिसर बनना चाहती थीं यामी गौतम

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम एक आईएएस ऑफिसर बनना चाहती थीं, लेकिन एक हादसे ने उनकी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया है। जिसको वह कभी भूल नहीं पाती हैं। वह दर्दनाक सड़क दुर्घटना से गुजर चुकी हैं। इस दुर्घटना ने उनकी पूरी जिंदगी और भविष्य को बदलकर रख दिया था। यह बात खुद यामी गौतम ने बताई है। यामी गौतम ने हाल ही में अंग्रेजी वेबसाइट बॉम्बे टाइम्स को इंटरव्यू दिया है। इस इंटरव्यू में उन्होंने अपने फिल्म करियर के अलावा निजी जिंदगी के बारे में हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। यामी गौतम ने खुलासा किया है कि एक सड़क दुर्घटना में उनकी गर्दन पर लगी चोट ने एक ही पल में उनकी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया। हालांकि इस बारे में यामी गौतम ने पिछले साल अगस्त में भी सोशल मीडिया के जरिए बताया था, लेकिन अब उन्होंने इस चोट के बारे में विस्तार से बात की है। यामी गौतम ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'यह एक सुबह की बात है, जब मैं चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी जाने के लिए निकली थी। मैं अपने टू व्हीलर से हाईवे पर थी। मेरे आगे चल रही एक कार ने गलत सिग्नल दिया। ड्राइवर ने दाईं तरफ मुड़ने का सिग्नल दिया था, लेकिन उसने अपनी कार बाईं ओर मोड़ ली थी। मैं टक्कर खाकर गिर पड़ी, जबकि कार ड्राइवर एक पल भी रुके बिना वहां से भाग गया। अभिनेत्री ने आगे कहा, 'शुक्र है कि मैंने हेल्मेट पहन रखा था। मैं हिल भी नहीं पा रही थी, आसानी से मैं किसी गाड़ी के नीचे आ सकती थी। हालांकि, एक शख्स ने मेरी मदद की और मैं जैसे-तैसे खड़ी हो पाई। यह दुर्घटना सर्दियों के समय में हुई थी। इस मौसम में उत्तर भारत के लोग काफी कपड़े पहना करते हैं। शुक्र है कि मैंने ढेर सारे कपड़े पहन रखे थे, जिसने मुझे बाहरी चोट से बचा लिया था। बाहर से मुझे कोई चोट नहीं लगी, लेकिन मैं इंटरनल इंजरी का शिकार हो चुकी थी।' यामी गौतम ने आगे कहा, 'डॉक्टर ने बताया कि मेरी गर्दन में फ्रैक्चर है। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि मैं कभी लाइफ में वर्कआउट नहीं कर सकूंगी और तब मैं आईएएस ऑफिसर बनने का ख्वाब देख रही थी।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके गर्दन का दर्द अभी भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा, '5 इंच की हील पहन कर इधर-उधर ज्यादा घूम लूं कि तुरंत दर्द बढ़ जाता है।' गौरतलब है कि यामी गौतम ने पिछले साल लॉकडाउन में अपनी गर्दन के दर्द के निजात पाने के लिए काफी योगा भी किया था। उन्होंने योगा करते हुए अपनी एक तस्वीर साझा कर इस चोट के बारे में भी बताया था। हालांकि, योगा करने से यामी गौतम को काफी फायदा हुआ है। उनका मानना है कि वह अब पहले से काफी बेहतर महसूस करती हैं। आपको बता दें कि यामी गौतम इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में हैं। वह जल्द ही भूत पुलिस और दसवीं में नजर आने वाली हैं।

टाइगर श्रॉफ के बर्थडे पर आया हीरोपंती 2 का पोस्टर

टाइगर श्रॉफ आज (2 मार्च) को अपना बर्थडे मना रहे हैं। इस दिन उनकी आगामी फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट आ जाए तो इससे बेहतर तोहफा उनके फैंस के लिए और क्या हो सकता है। टाइगर श्रॉफ ने 'हीरोपंती' के जरिये बॉलीवुड में कदम रखा था। यह फिल्म उनके दिल में खास स्थान रखती है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म हिट रही थी और टाइगर तथा कृति सेनन ने फिल्मों में अपनी जगह और पहचान बना ली। इसी फिल्म का दूसरा भाग आ रहा है जिसका पोस्टर रिलीज हुआ है। फिल्म का नाम है 'हीरोपंती 2'। पोस्टर में सूटेड-बूटेड टाइगर दोनों हाथ में गन लिए ऊंची बिल्डिंगों के बीच कार पर खड़े एक्शन करते नजर आ रहे हैं। उनकी यह अदा फैंस को दीवाना कर रही है। इस फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है। पोस्टर पर निर्देशक के रूप में अहमद खान और लेखक के रूप में रजत अरोरा का नाम है। साथ में रिलीज डेट है 3 दिसम्बर 2021, खास बात यह है कि यह मूवी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अहान शेट्टी की मूवी 'तड़प' का पोस्टर रिलीज, अक्षय और अजय ने किया वेलकम

साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के साथ डेब्यू करना हर एक्टर का सपना होता है और 'तड़प' अहान शेट्टी के लिए एक बड़ा डेब्यू है। अहान के रूप में एक यंग डायनामिक पर्सनालिटी फिल्म इंडस्ट्री में अपना पहला कदम रखने के लिए तैयार है। अहान को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में भी हलचल है। फिल्म उद्योग के दो दिग्गज अक्षय कुमार और अजय देवगन जो इससे पहले साजिद नाडियाडवाला के साथ सहयोग कर चुके है, उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर नई एंट्री का स्वागत किया है। फिल्म का पोस्टर बेहद प्रॉमिसिंग लग रहा है। इस फ़िल्म में अहान शेट्टी के अपोजिट खूबसूरत तारा सुतारिया नज़र आएंगी, जिन्होंने दो साल पहले शोबिज़ में एंट्री ली थी और कुछ ही समय में अपने समकालीनों के बीच खुद के लिए जगह बना ली। अहान शेट्टी और तारा सुतारिया की एक नई जोड़ी के साथ एक प्रेम कहानी सबसे रोमांचक तरीके से सुलझने का इंतज़ार कर रही है जो दर्शकों के लिए एक ट्रीट होगी। साजिद नाडियाडवाला के साथ अहान शेट्टी की शुरुआत विरासत को आगे बढ़ाने जैसा है क्योंकि सुनील शेट्टी को भी निर्माता द्वारा लॉन्च किया गया था और वह फिर से अपना योगदान देते हुए धन्य और उत्साहित महसूस करत रहे हैं। अहान के पहले लुक ने दर्शकों के बीच उत्साह की एक विशाल लहर पैदा कर दी है और सिल्वर स्क्रीन पर एक नए चेहरे को देखना दर्शकों के लिए टेस्टिंग टाइम होगा। फिल्म मिलन लथुरिया द्वारा निर्देशित है, जिसमें अहान शेट्टी, तारा सुतारिया, सौरभ शुक्ला, कुमुद मिश्रा और सुमित गुलाटी नज़र आएंगे। फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला कर रहे हैं और फॉक्स स्टार स्टूडियोज द्वारा सह-निर्मित है जो रजत अरोड़ा द्वारा लिखित है और फिल्म में म्यूजिक प्रीतम द्वारा दिया गया है। 'तड़प' 24 सितम्बर 2021 को रिलीज होगी।

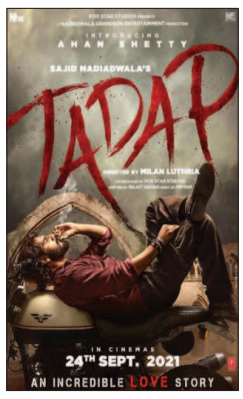

शो की लाइन बोलते हुए चीखने लगे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की अगली फिल्म धमाका का टीज़र रिलीज़ हो गया है। यह एक समाचार चैनल के कामकाज में एक झलक पेश कर रहा है। राम माधवानी द्वारा निर्देशित फिल्म में कार्तिक ने एक प्राइम टाइम न्यूज एंकर की भूमिका निभाई है। टीजर में एक सिचुएशन को दिखाया गया है जिसमें एक शो के लिए कार्तिक आर्यन को संघर्ष करते देखा गया है। किसी खबर को सुनने के बाद कार्तिक आर्यन काफी ज्यादा परेशान हो गये हैं। वह इस शो को करने की हालत में नहीं है लेकिन शो की टीम उन्हें लगातार पुश कर रही है शो करने के लिए। कैमरा हैडल करने वाली महिला कार्तिक आर्यन को कहती है कि ये शो तुमने शो शुरू किया है तुम्ही खत्म करो, जिसके बाद कार्तिक थोड़ा नॉर्मल होते हुए नजर आते हैं। टीजर को देखकर आप समझ सकते हो कि एंकर कार्तिक को अपने भविष्य के कैरियर और उसमें मानवतावादी के बीच चयन करना होगा। धमाका जल्द ही नेटफिलक्स पर रिलीज़ होने वाली है।

टीजर में क्या दिखाया

धमाका के टीज़र में, अर्जुन पाठक (कार्तिक आर्यन) अपनी अंतरात्मा से लड़ते हुए दिखाई दे रहे है क्योंकि वह एक बहुत भयानक स्थिति में फंस जाते है। उन्हें अपने करियर और उसमें मानवतावादी के बीच चयन करना होगा। अर्जुन अपनी लाइनों के साथ संघर्ष कर रहा है और चालक दल को कैमरे बंद करने के लिए कह रहा है। तब अमृता सुभाष उसे अपना काम करने के लिए प्रेरित करती है और उसे बताती है कि इस शो को चलना चाहिए। यह कहने के बाद कि वह ऐसा नहीं कर सकता, अर्जुन ने अंततः अपनी नौकरी फिर से शुरू कर दी और अपनी पंक्तियाँ कह दीं।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया टीजर

धमाका का टीज़र शेयर करने के लिए कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम का सहारा लिया। टीज़र को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'मैं हूं अर्जुन पाठक, मैं जो कुछ कहूंगा सच कहूंगा। धमाका जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। साथ ही कार्तिक ने टीजर का वीडियो भी शेयर किया है।

फिल्म के बारे में जानकारी

धमाका एक न्यूज़ चैनल के काम पर आधारित फिल्म है। कार्तिक आर्यन एक प्राइम टाइम न्यूज़ एंकर की भूमिका में नज़र आएंगे। फिल्म को रिकॉर्ड 10 दिनों में कोरोनावायरस महामारी के दौरान मुंबई में शूट किया गया है। फिल्म की शूटिंग से पहले फिल्म के चालक दल ने अपना कोरोना टेस्ट करवाया था जिसके बाद यह सभी 14 दिन के लिए एक होटल में क्वारंटाइन हुए थे। 14 दिन बाद पूरी टीम ने फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। धमाका का निर्माण रॉनी स्क्रूवाला की आरएसवीपी और राम माधवानी फिल्म्स (सह-निर्माता अमिता माधवानी के साथ) द्वारा किया गया है। पिछले साल कार्तिक आर्यन के जन्मदिन के अवसर पर 22 नवंबर को फिल्म की घोषणा की गई थी।

'राधेश्याम' में प्रभास के लवरबॉय अवतार को देख लड़कियां हुईं दीवानी

फिल्म 'राधेश्याम' में प्रभास को अपने दशक पुराने लवरबॉय अवतार में लौटते देखा जा सकता है। बहुत सारी एक्शन फिल्में करने के बाद वह एक दशक के बाद रोमांटिक रूप में लौट रहे हैं। राधेश्याम में इस लवरबॉय रूप में वापसी से उनके फैंस खासकर लड़कियों पर दीवानापन छा गया है। सोशल मीडिया पर प्रभास की प्रशंसक लड़कियां उनके प्यार में पागल हो रही हैं। राधेश्याम, जो 30 जुलाई 2021 को रिलीज़ के लिए तैयार है, हाल ही में फिल्म का टीज़र सामने लाया है और तब से लड़कियों को प्रभास के अवतार से मन नहीं भर पाया है। सोशल मीडिया 'मेरी जान', 'लव यू', '30 जुलाई का इंतजार है' और इस तरह की अन्य टिप्पणियों से भर के बह रहा है। प्रभास का स्टारडम ऐसे ट्रीटमेंट के लिए नया नहीं है क्योंकि पोस्टर 1 और 2 रिलीज होने पर उनके महिला प्रशंसकों से इसी तरह की प्रतिक्रियाएं आयी थीं। एक पोस्टर में वह अपने पुरानेवाले लवरबॉय के अवतार में और दूसरे में बिलकुल चॉकलेट बॉय लग रहे थे। पिछले दशक में हम ने प्रभास को एक्शन मूवी में देखा है और उनकी फिल्मों के साथ उनके फैंस के प्यार और समर्थन की वजह से वह नई ऊंचाइयों पर पहुंचे हैं। अभिनेता अब एक व्यस्त व्यक्ति है क्योंकि बहुत सारे फिल्म निर्माता उनके साथ काम करना चाहते हैं। पिछले हफ्ते उनकी फिल्म सालार को रिलीज़ डेट की घोषणा कर दी गई थी और उनके प्रशंसकों से ढेरों क्रेज़ी प्रतिक्रियाँए प्राप्त हुई थी। प्रभास के पास वर्तमान में 4 पैन-इंडिया फिल्में हैं और उन्होंने अपना लॉकडाउन परियोजनाओं को पढ़ने और साइन करने में खर्च किया था। आदिपुरुष, राधेश्याम, सलार और दीपिका पादुकोण के साथ अनटाइटल्ड, सभी फिल्में पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है। वह अपनी आगामी परियोजनाएं जैसे कि पौराणिक कथाओं, रोमांटिक ड्रामा, साय-फाई और सालार की अनरीविल्ड शैली के साथ विभिन्न शैली की फिल्मों में अभिनय करेंगे।

रसायन उत्पादक अनुपम के 760 करोड़ रुपये के आईपीओ को सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष रसायन उत्पाद बनाने वाली अनुपम रसायन को उसके 760 करोड़ रुपये के प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिये पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने आईपीओ के लिये दिसंबर में दस्तावेज जमा कराये थे। उसके बाद कंपनी को सेबी की ओर से 26 फरवरी को जरूरी अवलोकन टिप्पणी मिल गई थी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर ताजा जानकरी में यह बताया गया है। कोई भी कंपनी आईपीओ, एफपीओ अथवा राइट इश्यू की योजना बनाती है तो उसे सेबी की तरफ से जरूरी अवलोकन कराना होता है। अनुपम रसायन के निर्गम को लेकर तैयार दस्तावेज में कहा गया है कि आईपीओ से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल मुख्य तौर पर कर्ज भुगतान में किया जायेगा। सूरत स्थित इस कंपनी ने अपने आईपीओ का एक हिस्सा अपने कर्मचारियों के लिये आरक्षित रखने का फैसला किया है। वह कर्मचारियों के लिये निर्गम मूल्य में कुछ छूट पर भी विचार कर सकती है।

मासिक डिजिटल भुगतान लेनदेन में पेटीएम ने 1.2 अरब का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली। आनलाइन भुगतान प्रणाली में पेटीएम ने रिकार्ड कायम किया है कंपनी ने कहा कि उसका मासिक डिजिटल भुगतान लेनदेन 1.2 अरब को पार कर गया है। कंपनी ने दावा किया ऑफलाइन भुगतान और वित्तीय सेवाओं में ऊंची वृद्धि के कारण वह यह आंकड़ा हासिल कर पाई है। कंपनी ने कहा कि ऑफलाइन मर्चेंट भुगतान बाजार में उसकी बाजार हिस्सेदारी सबसे अधिक है। माह-दर-माह आधार पर इसमें 15 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। पेटीएम के उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बयान में कहा, बड़ी संख्या में हमारे प्रयोगकर्ताओं ने पेटीएम के साथ डिजिटल यात्रा शुरू की थी। अब उन्होंने हमारी वित्तीय सेवाओं को अपना लिया है।

फरवरी माह में भारतीय ग्राहकों को अच्छी लगी टोयोटा की कारें, ब्रिकी 36 फीसदी बढ़ी

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी महीने की सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। कंपनी ने बताया है कि फरवरी 2021 में उसके कुल 14,075 यूनिट्स की बिक्री हुई। जबकि, फरवरी 2020 में टोयाटा के कुल 10,352 यूनिट्स की घरेलू बाजार में बिक्री हुई थी। इसकी तुलना अगर पिछले साल के फरवरी महीने से करें,तब फरवरी महीने टोयोटा की बिक्री में 36 फीसदी की बढ़ोतरी आई है। हालांकि, इसकी तुलना अगर जनवरी 2021 से करें,तब इस दौरान कंपनी की बिक्री में 27 फीसदी की महीना दर महीना बढ़त दर्ज की गई है। बता दें कि जनवरी 2021 में टोयोटा की कुल 11,126 गाड़ियों की भारतीय बाजार में बिक्री हुई थी। टोयोटा इंडिया ने जनवरी 2021 में 11,126 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री थी। जबकि, जनवरी 2020 में टोयाटा के कुल 5,804 यूनिट्स की घरेलू बाजार में बिक्री हुई थी। जनवरी महीने में कंपनी की बिक्री में 92 फीसदी की साल दर साल बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

फर्टिलाइजर, फुटवियर, फर्नीचर और टेक्सटाइल्स कंपनियों को राहत दे सकती हैं मोदी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नरेंद्र मोदी सरकार कोरोना संकट के कारण आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे सेक्टर्स को उबारने की हरसंभव कोशिश कर रही है। इस कड़ी में अब फर्टिलाइजर, फुटवियर, फर्नीचर और टेक्सटाइल्स कंपनियों के लिए अच्छी खबर है।

दरअसल, केंद्र सरकार फर्टिलाइजर कंपनियों को मार्च 2021 के आखिर तक खाद सब्सिडी का पूरा बकाया भुगतान कर सकती है। बता दें कि फर्टिलाइजर कंपनियों को अब तक सब्सिडी का 86 फीसदी भुगतान किया जा चुका है।

फर्टिलाइजर कंपनियों को खाद सब्सिडी के भुगतान में काफी तेजी आई है। फरवरी 2021 में कंपनियों को 19,000 करोड़ रुपये सब्सिडी का भुगतान किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अब मार्च 2021 में करीब 21,000 करोड़ रुपये का सब्सिडी भुगतान करने की तैयारी है। कारोबारी साल में अब तक कुल आवंटन का 86 फीसदी सब्सिडी भुगतान हो चुका है। सब्सिडी के 136 करोड़ रुपये में से करीब 117 करोड़ रुपये बकाया दिया जा चुका है। सबसे ज्यादा 75 फीसदी सब्सिडी यूरिया बनाने वाली कंपनियों को मिली है। ज्यादा सब्सिडी पाने वाली कंपनियों में आरसीएफ, चंबल फर्टिलाइजर, जुआरी रे लोबल, कोरोमंडल, यूपीएल और इफको शामिल हैं।

केंद्र सरकार फुटवेयर, फर्नीचर और टेक्सटाइल्स सेक्टर को भी राहत दे सकती है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में इन तीनों उद्योगों से जुड़ी कंपनियों को वस्तु व सेवा कर में राहत की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर दुरुस्त करने पर जोर है।

कच्चे माल पर भारी जीएसटी से कारोबार में दिक्कतें आ रही हैं। फुटवेयर के कच्चे माल पर 12 फीसदी से 18 फीसदी जीएसटी लगाता है। फिलहाल 1000 से कम के फुटवियर पर 5 फीसदी जीएसटी है, मोदी सरकार इसमें राहत दे सकती है।

18 पैसों की मजबूती के साथ रुपया 73.37 पर बंद

मुंबई। करोबारी सप्ताह के दूसरे दिन रुपए में मजबूती देखने को मिली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया मंगलवार को 18 पैसे की मजबूती के साथ 73.37 पर बंद हुआ। मुद्रा बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 73.32 पर खुला तथा कारोबार के अंत में पिछले दिन के मुकाबले 18 पैसे की मजबूती के साथ 73.37 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं पिछले दिन यानी सोमवार को रुपया 8 पैसों की गिरावट के साथ 73.55 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

आज से देशभर के शोरुम से शुरु होगी रेनाल्ट कीगर की डिलेवरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रेनाल्ट अपनी पहली सबकॉम्पैक्ट एसयूवी रेनाल्ट कीगर की बुधवार से डिलीवरी शुरू करने जा रही है। दरअसल कंपनी ने एसयूवी को पिछले महीने भारतीय बाजार में ही लांच कर दिया था, लेकिन तब इसकी डिलीवरी शुरू नहीं की गई थी। बता दें कि रेनाल्ट कीगर कंपनी के सीएमएफ-ए प्लेटफॉर्म पर काम करती है और भारतीय बाजार में शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 5.45 लाख रुपये है। रेनाल्ट कीगर दो इंजन ऑप्शन के साथ बाजार में उपलब्ध है। इनमें 1.0-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.0-लीटर टर्बो-चार्ज्ड पेट्रोल इंजन शामिल हैं। 3-सिलिंडर,1-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन- इसका 999 सीसी का इंजन 5000 आरपीएम 100 पीएस और 2800-3600 आरपीएम पर 160 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसका इंजन 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से लैस है। इसका 999 सीसी का इंजन 6250 आरपीएम 72 पीएस और 3500 आरपीएम पर 96 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसका इंजन 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन से लैस है। इसके अलावा इसमें 5-स्पीड इजी-आएएमटी का भी विकल्प मिलता है। इसका 999 सीसी का इंजन 5000 आरपीएम 100 पीएस और 2400-4400 आरपीएम पर 152 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। इसका इंजन एक्स-ट्राइन-सीवीटी से लैस है। यह सबकॉम्पैक्ट एसयूवी 6 कलर ऑप्शन में उपलब्ध है। इनमें कैसपियन ब्लू, रेडियंट रेड, मूनलाइट सिल्वर, प्लेनेट ग्रे, आइस कूल व्हाइट और महोगेनी शामिल हैं। इसकी लंबाई 3,991 मिलीमीटर, चौड़ाई 1,750 मिलीमीटर और ऊंचाई 1,600 मिलीमीटर है। वहीं, इसका व्हीलबेस 2500 मिलीमीटर है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस 205 मिलीमीटर है।

'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों में चुनौतियों का प्रतीक बना : रिपोर्ट

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी संसद से कहा है कि भारत में हाल में शुरू किया गया 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में खड़ी होने वाली चुनौतियों का प्रतीक बन गया है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने अपनी 2021 की व्यापार नीति एजेंडा और 2020 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि 2020 के दौरान अमेरिका ने लगातार भारत के साथ बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों को सुलझाने के लिये प्रयास जारी रखा। यूएसटीआर की सोमवार को कांग्रेस को सौंपी गई इस रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत का बड़ा बाजार, आर्थिक वृद्धि और विकास की ओर अग्रसर उसकी अर्थव्यवस्था जहां उसे अमेरिकी निर्यातकों के लिये आवश्यक बाजार बनाती है वहीं दूसरी तरफ भारत में सामान्य तौर पर व्यापार पर प्रतिबंध लगाने वाली नीतियों के चलते द्विपक्षीय व्यापार संभावनाओं को कम किया है। भारत में हाल में आयात के विकल्प के तौर पर शुरू किये गये 'मेक इन इंडिया' अभियान ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों के समक्ष चुनौतियों को बढ़ा दिया है। अमेरिका ने 5 जून 2019 से सामन्यीकृत तरजीही प्रणाली (जीएसपी) कार्यक्रम के तहत भारत की पात्रता को समाप्त कर दिया था। अमेरिका ने यह कदम जीएसपी बाजार पहुंच मानदंड के मामले में भारत के अनुपालन पात्रता को लेकर उठी चिंताओं की समीक्षा के बाद उठाया। जीएसपी के तहत भारत को मिलने वाले व्यापार लाभ निलंबित कर दिये जाने के बाद से ही अमेरिका और भारत 2019 से तार्किक बाजार पहुंच पैकेज पर काम करने में जुटे हुये हैं। वर्ष 2020 में भी यह काम जारी रहा। इस बातचीत में अमेरिका का उद्देश्य भारत में कई तरह की गैर-शुल्कीय बाधाओं को दूर करना, विभिन्न शुल्कों में लक्षित कमी लाना और भारत में अमेरिकी उत्पादों के लिये बाजार पहुंच में सुधार लाना शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2019 में अमेरिका में आयात की गई सेवाओं में 6213 अरब डालर के साथ ब्रिटेन लगातार सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा। वहीं भारत 2917 अरब डालर की सेवाओं के आयात के साथ छठा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बना रहा। कनाडा से 3816 अरब डालर, जापान से 3518 अरब डालर, जर्मनी से 3419 अरब डालर और मैक्सिको से 2918 अरब डालर की सेवाओं का आयात किया गया।

सेंसेक्स 447 अंक मजबूत होकर फिर से 50,000 के ऊपर निकला

मुंबई (एजेंसी).

घरेलू और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बीच वाहन, बैंक और आईटी कंपनियों के शेयरों में तेज लिवाली से बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 447 अंक की मजबूती के साथ 50,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.05 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 50,296.89 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 157.55 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 14,919.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, बजाज ऑटो, टेक महिंद्रा, टीसीएस और मारुति रही। दूसरी तरफ, ओएनजीसी, एचडीएफसी, डा. रेड्डीज, पावर ग्रिड और एसबीआई को नुकसान हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 लाभ के साथ बंद हुए। विश्लेषकों के अनुसार तीसरी तिमाही में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में वृद्धि से निवेशक उत्साहित हैं।

साथ ही वैश्विक बांड बाजारों में पिछले सप्ताह के उठा-पटक के बाद स्थिरता से भी धारणा मजबूत हुई है। एशिया के अन्य बाजारों... तोक्यो, शंघाई और हांगकांग में गिरावट (रिपोर्ट गिरावट) रही। इस बीच, ब्रेंट क्रूड वायदा 0.71 प्रतिशत मजबूत होकर 63.76 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिका डॉलर के मुकाबले रुपया 18 पैसे मजबूत होकर 73.37 पर बंद हुआ।

कोटक महिंद्रा बैंक ने आवास ऋण में ब्याज घटाकर 6.65 फीसदी किया

मुंबई।

निजी क्षेत्र के अग्रणी कोटक महिंद्रा बैंक ने आवास ऋण ब्याज में 0.10 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की। सीमित अवधि की इस कटौती के बाद ब्याज दर 6.65 प्रतिशत पर आ गई है। इस कटौती के साथ बैंक का दावा है कि वह ग्राहकों को बाजार में सबसे कम ब्याज पर आवास ऋण उपलब्ध कराएगा। बैंक ने एक बयान में कहा कि विशेष पेशकश के तहत ग्राहक 31 मार्च तक 6.65 प्रतिशत पर कर्ज ले सकेंगे। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई (भारतीय स्टेट बैंक) के ब्याज दर घटाकर 6.70 प्रतिशत किये जाने के कुछ ही घंटे बाद कोटक बैंक ने यह घोषणा की है। कोटक महिंद्रा बैंक ने कहा कि ब्याज दर कर्जदार के 'क्रेडिट स्कोर' और मूल्य के अनुपात में कर्ज (एलटीवी) पर निर्भर करेगी।

घट सकती हैं पेट्रोल और डीजल की कीमतें, उत्पाद शुल्क में कटौती करने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पेट्रोल-डीजल की आसमान छू रही कीमतों से हर कोई परेशान है। कई राज्यों में तो पेट्रोल 100 रुपए से भी अधिक कीमत का हो चुका है। सूत्रों के मुताबिक, अब केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम करने पर विचार कर रही है। वित्त मंत्रालय के सूत्र ने बताया कि, सरकार कीमतों को जल्द कम करने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने पर विचार कर रही है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल के महंगे होने के सबसे बड़ा कारण टैक्स ही है। केंद्र सरकार उत्पाद शुल्क और राज्य वैट वसूलते हैं। अभी केंद्र और राज्य सरकारें उत्पाद शुल्क एवं वैट के नाम पर 100 फीसदी से ज्यादा टैक्स वसूल रही हैं। इन दोनों की दरें इतनी ज्यादा है कि 35 रुपए का पेट्रोल विभिन्न राज्यों में 90 से 100 रुपए प्रति लीटर तक पहुंच गया है। बढ़ती कीमतों पर मचे हाहाकार के बीच सूत्रों ने कहा है कि वित्त मंत्रालय ने कुछ राज्यों, तेल कंपनियों और पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ परामर्श शुरू किया है, ताकि उपभोक्ताओं पर टैक्स का बोझ कम करने का सबसे प्रभावी तरीका निकाला जा सके। इसके अलावा यदि केंद्र पेट्रोलियम उत्पादों को गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) के दायरे में ले आए तो आम आदमी को राहत मिल सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसके संकेत दिए हैं। दिल्ली में पेट्रोल 91.17 रुपए और मुंबई में 97.57 रुपए प्रति लीटर है। वहीं, दिल्ली में डीजल 81.47 रुपए और मुंबई में 88.60 रुपए प्रति लीटर है। पिछले महीने राजस्थान और मध्य प्रदेश में कुछ स्थानों पर पेट्रोल का दाम 100 रुपए प्रति लीटर को पार कर गए थे। ये दोनों राज्य तेलों पर सबसे अधिक वैट लेते हैं।

टैबलेट सेगमेंट में 14.7 फीसदी बढ़ोतरी, ई-लर्निंग की वजह से बढ़ी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में कोरोना संकट की वजह से लोगों की निर्भरता आनलाइन क्लासेज यानी ई-लर्निंग पर बढ़ गई है। पिछले साल यानी 2020 में लोगों ने ऑफिस के काम के साथ बच्चों की पढ़ाई के वास्ते कंप्यूटर, टैबलेट के साथ ही स्मार्टफोन्स भी खूब खरीदारी की। आलम यह रहा कि भारत में बिक्री के मामले में टैबलेट सेगमेट में 14.7 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली। यह ग्रोथ काफी ज्यादा है। पिछले साल सैमसंग ने टैबलेट सेगमेंट में सबसे ज्यादा ग्रोथ दर्ज कराई, वहीं ऐपल के iPad की भी बंपर बिक्री हुई। सैमसंग के टैबलेट की बिक्री में बीते साल 157 फीसदी की सालाना उछाल देखने को मिली। आईडीसी की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2020 में इंडिया के टैबलेट मार्केट मं 14.7 फीसदी की उछाल देखने को मिली। दरअसल, पिछले साल कई कंपनियों ने भारत में अफॉर्डेबल यानी किफायती टैबलेट लॉन्च किए, जो लोगों की जेब पर बोझ नहीं बने और लोगों ने अपने बच्चों की पढ़ाई के वास्ते इसकी खरीदारी की, इस वजह से साल 2020 में कई कंपनियों के सस्ते-महंगे टैबलेट की बंपर खरीदारी हुई।

आईडीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि ऑनलाइन क्लास यानी ई-लर्निंग पर जोर देने की वजह से लोगों ने अपने बच्चों के लिए टैबलेट खरीदे, क्योंकि स्मार्टफोन पर लंबे समय तक क्लास करना बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। आईडीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में बजट सेगमेंट के टैबलेट यानी 10 से 20 हजार रुपए के बीच के रेंज के टैबलेट की डिमांड काफी ज्यादा बढ़ी है और सन 2020 में इस सेगमेंट के टैबलेट की बिक्री में 70 फीसदी से ज्यादा की सालाना ग्रोथ देखने को मिली है। हालांकि, इन सबके बीच सैमसंग और ऐपल के प्रीमियम टैबलेट की भी अच्छी खासी बिक्री हुई। लोगों ने सैमसंग गैलेक्सी टैब एस6 लाइट और एप्पल के 10.2 इंच के आईपैड की खूब खरीदारी की।

आईपीओ से पहले फ्लिपकार्ट ने नेतृत्व में किया परिवर्तन, हेमंत बद्री का हुआ प्रवेश

बेंगलुरु (एजेंसी)।

अमेरिकी कंपनी वॉलमार्ट के मालिकाना हक वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपने लीडरशिप में बदलाव किया है। कंपनी ने यूनिलीवर के पूर्व ग्लोबल एजीक्यूटिव हेमंत बद्री को सप्लाई चेन ऑपरेशंस के लिए सीनियर वाइस प्रेसिडेंट नियुक्त किया है। इसके अलावा फ्लिपकार्ट दो अन्य सीनियर एग्जीक्यूटिव्स की भूमिकाओं में बदलाव और विस्तार कर रही है। बद्री यूनिलीवर में वर्ल्डवाइड प्लानिंग, कस्टमर सर्विस व यूरोप ऑपरेशनल प्लानिंग के वाइस प्रेसिडेंट थे। उनकी नियुक्ति की घोषणा फ्लिपकार्ट के गुप सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति ने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल के जरिए की। फ्लिपकार्ट में लीडरशिप में हुए बदलाव 1 मार्च 2021 से प्रभावी होंगे। कृष्णमूर्ति ने फ्लिपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमितेश झा की भूमिका में बदलाव का भी ऐलान किया है। अमितेश पहले फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, जीव्स और कंपनी के कुछ अन्य बिजनेस की सप्लाई चेन को हेड करते थे। ईमेल में कृष्णमूर्ति ने लिखा है कि अब अमितेश कैटेगरी डिजाइन ऑपरेशंस (सीडीओ) और एम3 (मार्केटिंग, मर्चेंडाइज व मोनेटाइजेशन) ऑर्गेनाइजेशन में नई भूमिका निभाएंगे, जिसमें वह कंज्यूमेबल्स, सॉफ्टलाइन्स और कस्टमर व मार्केटिंग चार्टर्स की देखरेख करेंगे। वहीं फिनटेक व पेमेंट्स ग्रुप को हेड करने वाले रंजीत बोयानापल्ली अब कस्टमर एक्सपीरियंस, मार्केटप्लेस और सेंट्रल लिक्विडेशन टीम (सीएलटी) का अतिरिक्त चार्टर भी संभालेंगे। कृष्णमूर्ति के ईमेल में रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर के उन बदलावों का भी जिक्र है, जो टॉप मैनेजमेंट में बदलावों के चलते होंगे। कहा गया है कि अमितेश झा अगले कुछ महीनों तक बद्री को डायरेक्टली मैनेज और मेंटोर करेंगे। फ्लिपकार्ट के टॉप मैनेजमेंट में यह बदलाव उस वक्त हुआ है, जब कंपनी अपने आईपीओ इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग को लाने की तैयारी कर रही है। फ्लिपकार्ट का आईपीओ इस साल के आखिर तक आने का अनुमान है और इसकी वैल्युएशन 40 अरब डॉलर रह सकती है। इससे पहले फ्लिपकार्ट ने अपने निदेशक मंडल में दिसंबर 2020 में बदलाव किया था। कंपनी ने बोर्ड में सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति समेत 4 नए चेहरों को शामिल किया था। फ्लिपकार्ट बोर्ड के बाकी नए सदस्यों में एचडीएफसी सीईओ केकी मिस्त्री, वॉलमार्ट के ग्लोबल चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर सुरेश कुमार और वॉलमार्ट में इंटरनेशनल स्ट्रेटेजी व डेवलपमेंट के एजीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट लिख हॉपक्सि शामिल हैं।

मोबाइल कैटरिंग अनुबंध रद्द करने के बाद आईआरसीटीसी के शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईआरसीटीसी के शेयरों में मंगलवार को गिरावट देखी गई। सुबह 9.36 बजे आईआरसीटीसी के शेयर 1.55 फीसदी गिरकर 1909.05 रुपए पर ट्रेड कर रहे थे। इससे पहले सोमवार शाम रेल मिनिस्ट्री ने आईआरसीटीसी को सभी तरह के मोबाइल केटरिंग के कॉन्ट्रैक्ट्स खत्म करने को कहा है। मंत्रालय ने रेगुलेटर को दी गई जानकारी में बताया कि आईआरसीटीसी को सभी मोबाइल कैटरिंग कॉन्ट्रैक्ट्स रद्द करना होगा, फिर चाहे वह ट्रेन से यात्रा करने वाले पैसेंजर्स को बेस किचन में तैयार किया गया खाना ही क्यों न परोस रहे हों। ट्रेनों में मोबाइल कैटरिंग की सुविधा 2014 में शुरू की गई थी, जिसमें यात्री अपने फेवरेट ब्रांड से ऑनलाइन फूड ऑर्डर कर सकते थे और पैसेंजर्स को उनकी ऑर्डर किया हुआ फूड उनके बर्थ पर डिलिवर होता था। रेल मंत्रालय ने कहा कि इसे कोरोना वायरस के कारण उपजे हालात की वजह से एक्सेप्शन मानें और इसे कॉन्ट्रैक्टर की गलती के रूप में नहीं देखा जाए। रेल मंत्रालय ने केटरिंग कॉन्ट्रैक्ट्स खत्म करने का आदेश देते हुए कहा है कि अब खाना नहीं परोसने पर किसी भी फूड कॉन्ट्रैक्टर पर फाइन नहीं लगाया जाएगा। उनकी सिक्योरिटी डिपॉजिट और एडवांस लाइसेंस फीस बकाया पेमेंट में एडजस्ट करके लौटा दिया जाएगा। दरअसल, 19 जनवरी 2021 को मद्रास हाईकोर्ट में इंडियन रेलवे मोबाइल केटरर्स एसोसिएशन (आईसीआरएमसीए) ने यह मुद्दा उठाते हुए मांग की थी कि उन्हें रेलवे की केटरिंग में अपनी सर्विस रिस्टोर करने की इजाजत दी जाए, जो लॉकडाउन के कारण मार्च, 2020 से ही बंद है। रेल मंत्रालय का यह आदेश कोर्ट में इस पीटिशन के बाद आया है। इससे पहले रेलवे ने कहा था कि फरवरी से ट्रेनों में ई-कैटरिंग की सुविधा शुरू कर दी जाएगी।

तोक्यो ओलंपिक कार्यकारी बोर्ड में 12 और महिलाओं को मिली जगह

तोक्यो : तोक्यो ओलंपिक ने लैंगिक समानता की ओर प्रतीकात्मक कदम उठाते हुए बोर्ड में 12 और महिलाओं को शामिल किया जिससे 45 सदस्यीय समिति में उनकी संख्या 19 (लगभग 42%) हो गयी। इस समिति में महिलाओं को शामिल करने के लिए बोर्ड में सदस्यों की संख्या को 35 से बढ़ाकर 45 हो गयी जबकि कुछ सदस्यों को इस्तीफा भी देना पड़ा। कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद इस कदम की घोषणा मुख्य कार्यकारी अधिकारी तोशीरो मुतो ने की। नए सदस्यों के नामों की घोषणा बुधवार को होने की उम्मीद है। आयोजन समिति की नयी अध्यक्ष सीको हाशिमोतो की पहल पर यह बदलाव किए गए। पिछले महीने 83 साल के पूर्व अध्यक्ष योशिरो मोरी के इस्तीफे के बाद हाशिमोतो अध्यक्ष नियुक्त हुई है। मोरी ने महिलाओं के खिलाफ लैंगिग टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि महिलाएं काफी बातें करती हैं। हाशिमोतो ने बोर्ड की बैठक की शुरुआत में कहा कि लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के मामले में हमारा मानना है कि आयोजन समिति में विश्वास बहाल करने के लिए तेजी से काम कर ठोस परिणाम देना होगा।

एक बार फिर साथ दिखेगी बोपन्ना-कुरैशी की जोड़ी, अकापुल्को एटीपी में खेलेंगे साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

'भारत-पाक एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर रोहन बोपन्ना और ऐसाम-उल-हक कुरैशी की जोड़ी छह साल के बाद एक बार फिर से 15 मार्च से मेक्सिको में खेले जाने वाले अकापुल्को एटीपी 500 में टेनिस कोर्ट पर एक साथ दिखेगी। इससे पहले यह जोड़ी 2014 शेनजेन एटीपी 250 प्रतियोगिता में एक साथ खेली थी। भारत-पाक के खराब राजनायिक संबंध के कारण सुर्खियां बटोरने वाली इस जोड़ी की सबसे बड़ी सफलता 2010 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचना था, जहां उन्हें ब्रायन बंधुओं की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा था।बोपन्ना उस समय अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग तीसरे स्थान तक पहुंचे थे बोपन्ना ने इसके बाद 2012 ओलंपिक की तैयारियों के लिए दिग्गज महेश भूपति के साथ जोड़ी बनाकर खेलने का फैसला किया। भारत और पाकिस्तान के 40 बरस के इन खिलाड़ियों की जोड़ी फिलहास सिर्फ एक टूर्नामेंट में साथ खेलेगी। कुरैशी ने कहा कि अभी हम सिर्फ मैक्सिको में खेलने के लिए एक साथ आ रहे हैं। अभी तक हमने भविष्य के बारे में बात नहीं की है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह एक लंबी अवधि की व्यवस्था हो सकती है, कुरैशी ने कहा कि उम्मीद है, अगर यह अच्छी तरह से चलता है तो हम भविष्य में साथ में और अधिक टूर्नामेंट खेल सकते हैं। वे वास्तव में दुबई ड्यूटी फ्री चैंपियनशिप में एक साथ प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उनकी योजना सफल नहीं हुई। उन्होंने कहा कि हमने ऑस्ट्रेलिया में एक साथ बहुत समय बिताया। हम दुबई में खेलने की योजना बना रहे थे। उसे एक जोड़ीदार की जरूरत थी और मुझे भी एक जोड़ीदार की जरूरत थी। इसलिए हमने सोचा कि चलो दुबई ओपन के लिए टीम बनाई जाए, दुर्भाग्य से हम इसके लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। हमारी संयुक्त रैंकिंग उस स्तर की नहीं थी। उन्होंने कहा कि लेकिन हम अकापुल्को में जगह बनाने में सफल रहे। मैं बहुत उत्साहित हूँ। उम्मीद है, हम एक साथ अच्छा खेलेंगे और यह सफल रहेगा। तब हम कुछ और टूर्नामेंट एक साथ खेलने का फैसला कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल हम सिर्फ इसी टूर्नामेंट के लिए साथ आये है। मुझे नहीं पता कि 2021 के लिए उनकी (बोपन्ना) योजना क्या है। उन्होंने किसी के साथ जोड़ी बनाने का फैसला किया है या नहीं।

हम देखेंगे स्थिति कैसी रहती है। बोपन्ना और कुरैशी ने शांति संदेश फैलाने के लिए 'स्टॉप वॉर, स्टार्ट टेनिस' अभियान शुरू किया था। जिसे 'अर्थर एश मानवता' पुरस्कार भी मिला था।

ला लीगा : रियल मेड्रिड ने रियल सोसिएदाद के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला

ला लीगा (एजेंसी)।

रियल मेड्रिड ने रियल सोसिएदाद के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला 1मेड्रिड, 2 मार्च । रियल मेड्रिड और रियल सोसिएदाद के बीच ला लीगा का मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इस ड्रॉ के बाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद रियाल मेड्रिड और शीर्ष पर मौजूद एटलेटिको मेड्रिड के बीच पांच अंकों का फासला हो गया है। रियल मेड्रिड और रियल सोसिएदाद के बीच पहले हॉफ तक मुकाबला गोल रहित रहा था। लेकिन रियल सोसिएदाद की ओर से पोंतू ने 55वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। रियल मेड्रिड जहां एक तरफ बराबरी करने की कोशिश कर रही थी वहीं, रियल सोसिएदाद बढ़त हासिल करना चाह रही थी। रियल मेड्रिड को अंतिम मिनट में सफलता मिली और उसकी ओर से 89वें मिनट में विनिकिअस जूनियर ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।निर्धारित समय तक दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं और मुकाबला 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस मैच के बाद रियल मेड्रिड 25 मैचों में 53 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

मियामी ओपन में नहीं खेलेंगे पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रोजर फेडरर

मियामी । दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रोजर फेडरर ने इस महीने होने वाले मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है जिससे कि टूर में वापसी की अपनी तैयारी को अधिक समय दे सकें। फेडरर के एजेंट ने यह जानकारी दी। पिछले सत्र में दाएं घुटने के 2 आपरेशन के बाद 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फेडरर एक साल से अधिक समय से प्रतिस्पर्धी टेनिस नहीं खेले हैं। अगस्त में 40 बरस के होने वाले फेडरर की अगले महीने कतर के दोहा में 14 मार्च से शुरू हो रहे हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट के साथ टूर पर वापसी की योजना है। फेडरर को 24 मार्च से मियामी में शुरू हो रहे मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेना था लेकिन उनके एजेंट टोनी गॉडसिक ने सोमवार को बताया कि वह वहां नहीं खेलेंगे। गॉडसिक ने ईमेल पर एपी को बताया, 'दोहा और शायद दुबई के बाद, (फेडरर) वापस जाएगा और ट्रेनिंग करेगा।

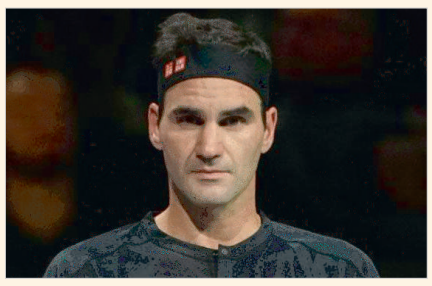

सानिया की दोहा में जीत के साथ डब्ल्यूटीए सर्किट पर वापसी

दोहा (एजेंसी)।

सानिया मिर्जा ने डब्ल्यूटीए सर्किट में जीत के साथ वापसी की जब उन्होंने और स्लोवाकिया की उनकी जोड़ीदार आंद्रेजा क्लेपैक ने नादिया किचेनोक और ल्युडमाइला किचेनोक की युक्रेन की जोड़ी को हराकर यहां कतर टोटल ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और स्लोवेनिया की जोड़ी ने सोमवार रात डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट के पहले दौर में नादिया और ल्युडमाइला की जोड़ी को 6-4, 6-7, 10-5, से हराया। सानिया का 12 महीने में यह पहला प्रतिस्पर्धी मुकाबला था। वह पिछली बार फरवरी 2020 में दोहा ओपन में ही खेली थी जिसके बाद कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर में टेनिस प्रतियोगिताएं ठप पड़ गईं थी। सानिया स्वयं भी इस साल जनवरी में कोरोना वायरस संक्रमण से उबरी हैं। सानिया मातृत्व अवकाश के बाद जब प्रतिस्पर्धी टेनिस में लौटी थी तो उन्होंने नादिया के साथ ही जोड़ी बनाई थी और पिछले साल जनवरी में होबार्ट ओपन का खिताब जीता था। सानिया और आंद्रेजा ने हालांकि पहले सेट के शुरू में ही अपनी सर्विस गंवाई जिससे यह जोड़ी 0-3 से पिछड़ गई। चौथे गेम में भी यह जोड़ी अपनी सर्विस गंवाने के कगार पर थी लेकिन स्कोर 1-3 करने में सफल रही। भारत और स्लोवेनिया की जोड़ी ने सातवें गेम में किचेनोक बहनों की सर्विस तोड़कर वापसी की और स्कोर 4-4 किया। नौवें गेम में युक्रेन की जोड़ी की सर्विस तोड़ने और फिर अपनी सर्विस बचाकर सानिया और आंद्रेजा ने पहला सेट जीता। युक्रेन की जोड़ी ने दूसरे सेट में सानिया और आंद्रेजा की सर्विस तोड़कर 3-1 की बढ़त बनाई। भारत और स्लोवेनिया की जोड़ी ने सेट को टाईब्रेकर तक खींचा लेकिन हार गईं। सुपर टाईब्रेकर में सानिया और आंद्रेजा छाई रही। इस जोड़ी को 5-1 की बढ़त बनाने के बाद मुकाबला जीतने में अधिक परेशानी नहीं हुई।

संक्षिप्त समाचार

ICC Rankings : स्मृति मंधाना को लगा झटका, झूलन 5वें स्थान पर बरकरार

दुबई । भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मंगलवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की महिला एकदिवसीय खिलाड़ी रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में 2 स्थान के नुकसान से 6 स्थान पर खिसक गई जबकि झूलन गोस्वामी गेंदबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर बरकरार है। एक अन्य अनुभवी खिलाड़ी मिताली राज 687 अंक के साथ 9वें स्थान पर हैं और बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय बल्लेबाज हैं। स्मृति के 732 अंक हैं। इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्युमोंट न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 2-1 की जीत के दौरान शानदार प्रदर्शन की बदौलत पांच स्थान की छलांग के साथ शीर्ष पर पहुंच गई हैं। टैमी ने वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर और न्यूजीलैंड की ऐमी सेटरथवाइट जैसी खिलाड़ियों को पछाड़ा और दूसरे स्थान पर मौजूद आस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लेनिंग पर 16 अंक की बढ़त बना ली है। झूलन (691), पूनम यादव (679), शिखा पांडे (675) और दीप्ति शर्मा (639) गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं। ये सभी अपनी पिछली रैंकिंग पर बरकरार हैं। ऑस्ट्रेलिया की जेस जोनासेन 804 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कायम हैं। उनके बाद उनकी हमवतन मेगान शुट (735) का नंबर आता है। आलराउंडरों की सूची में दीप्ति 359 अंक के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी शीर्ष पर चल रही हैं।

PSL में तीन और खिलाड़ियों को हुआ कोरोना, PCB ने दिया बड़ा बयान

कराची । पाकिस्तान सुपर लीग में दो विदेशी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ का एक सदस्य कोरोना जांच में पॉजिटिव पाया गया है लेकिन क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि टूर्नामेंट पर इसका कोई असर नहीं होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मीडिया निदेशक सामी बर्नी ने संक्रमित पाए गए तीन व्यक्तियों के नाम नहीं बताए। इससे पहले आस्ट्रेलियाई लेग स्पिनर फवाद अहमद पॉजिटिव पाए गए थे जो क्वारंटीन हैं। बर्नी ने नेशनल स्टेडियम पर प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मैं इसकी पुष्टि करता हूं कि दो विदेशी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ का एक सदस्य कोरोना जांच में पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने बताया कि एक क्रिकेटर इस्लामाबाद युनाइटेड टीम का है जिसके खिलाड़ी फवाद अहमद को पहले ही पॉजिटिव पाया गया है। पीसीबी अधिकारी ने यह भी कहा कि एक और टीम के जांच नतीजे अभी आने बाकी है। उन्होंने कहा कि टीम मालिकों के साथ वर्चुअल बैठक में कोरोना प्रोटोकॉल और बायो बबल संबंधी दिशा निर्देशों का और कड़ाई से पालन करने के मुताल्लिक बात की गई।

डेल स्टेन का बड़ा बयान, आईपीएल से ज्यादा पीएसएल में मिलता है सम्मान

(एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन पाकिस्तान की टी20 लीग पीएसएल में खेल रहें हैं। पीएसएल में डेल स्टेन ने आईपीएल को लेकर बड़ा बयान दिया है। स्टेन ने आईपीएल पर बात करते हुए कहा कि आईपीएल में क्रिकेट को नहीं बल्कि पैसों को लेकर बात होती है। यही कारण है कि आईपीएल के नए सीजन के लिए उन्होंने अपना नाम वापिस ले लिया और इसकी जानकारी अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को दी। स्टेन ने पाकिस्तान क्रिकेट से बात करते हुए कहा कि मैंने दूसरी क्रिकेट लीग खेलकर यह पाया कि बतौर खिलाड़ी आईपीएल से अधिक मुझे इनमें सम्मान मिल रहा है। मुझे लगता है कि जब आप आईपीएल में जाते हैं, तो इतने बड़े स्क्वाड और इतने बड़े नाम होते हैं और शायद इस बात पर ज्यादा अधिक जोर दिया जाता है कि खिलाड़ी की कितने पैसे कमा रहा है यही कारण है कि कई बार आईपीएल में क्रिकेट को भूला दिया जाता है। स्टेन ने आगे कहा कि जब आप एक पीएसएल या श्रीलंकाई प्रीमियर लीग आते हैं तो वहां क्रिकेट को अधिक महत्व दिया जाता है। मैं केवल कुछ दिनों के लिए यहां आया हूं और मेरे कमरे के अंदर और बाहर के लोग हैं, बस यह जानना चाहते हैं कि मैंने कहां खेला है और मैं वहां कैसे गया। वहीं जब मैं आईपीएल जैसी लीग में खेलने के लिए जाता हूं तो सब भूल जाते हैं और सिर्फ एक ही विषय रह जाता है कि तुम आईपीएल में कितने पैसे कमाए। उन्होंने आगे कहा कि सच कहूं तो मैं आईपीएल से दूर रहना चाहता हूं। मैं अच्छी क्रिकेट और अच्छा टूर्नामेंटों के लिए अच्छे वाइब्स लाने के लिए दूसरी लीग में खेल रहा हूं जिसके मैं लायक भी हूं। गौर हो कि स्टेन आईपीएल में 95 मैच खेलें हैं जिसमें उन्होंने 97 विकेट अपने नाम किए हैं। वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डैक्कन चार्जर्स, सनराईजर्स हैदराबाद और गुजरात लायंस के लिए मैच खेला है।

प्लेयर ऑफ द मंथ : अश्विन, रूट और मायर्स के बीच मुकाबला

दुबई । अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट और वेस्टइंडीज के नए बल्लेबाजी सनसनी कायल मायर्स फरवरी में शानदार प्रदर्शन के दम पर मंगलवार को आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ (महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी) पुरस्कार के लिए नामित किए गए। अश्विन ने इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच खेले जिसमें चेन्नई में खेले गए दूसरे टेस्ट में गेंद से कमाल करने के साथ उन्होंने दूसरी पारी में 106 रन बनाए थे। उन्होंने अहमदाबाद में तीसरे टेस्ट में अपने विकेट की संख्या को 400 के पार पहुंचा दिया। आईसीसी से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, 'कुल 176 रन बनाने के साथ 24 विकेट लेकर अश्विन पुरूष वर्ग में फरवरी महीने के नामांकन के हकदार हैं। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने बल्ले और गेंद के साथ शानदार प्रदर्शन के लिए इस महीने फिर से नामांकन की सूची में जगह बनाई है। उन्होंने भारत के खिलाफ खेले गए 3 टेस्ट मैचों में कुल 333 रन बनाए और 6 विकेट झटके है। पिछले महीने भी नामांकन में जगह पाने वाले रूट ने भारत के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के पहले मैच में 218 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लिए पदार्पण करते हुए मायर्स ने दूसरी पारी में 210 रन बनाए जिससे उनकी टीम 395 रन के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। महिला वर्ग में, न्यूजीलैंड की बुक हॉलिडे के साथ इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट और नैट स्किवर को नामांकित किया गया है।

पुलिस ने बार्सीलोना के पूर्व अध्यक्ष को हिरासत में लिया

मैड्रिड : स्पेन की पुलिस ने बार्सीलोना स्टेडियम में छापे की कार्रवाई के बाद इस फुटबॉल कलब के पूर्व अध्यक्ष जोसेप मारिया बोर्टोम्यु सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई उस समय की गई जब क्लब के अध्यक्ष पद के चुनावों में एक हफ्ते से भी कम का समय बचा है। यह कार्रवाई पिछले साल के 'बासगेट' प्रकरण के संदर्भ में की गई। जिसमें क्लब के अधिकारियों पर आरोप लगा था कि उन्होंने उन मौजूदा और पूर्व खिलाड़ियों को बदनाम करने का अभियान चलाया जो क्लब और तत्कालीन अध्यक्ष बोर्टोम्यु के आलोचक थे। पुलिस ने हिरासत में लिए गए लोगों का नाम नहीं बताया लेकिन अध्यक्ष पद के दावेदार जोआन लापोर्टा ने स्पेन की मीडिया की खबरों में पुष्टि की है कि बार्टोम्यु हिरासत में लिए गए लोगों में शामिल हैं।

पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले संदीप डोप परीक्षण से पहले हुए गायब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

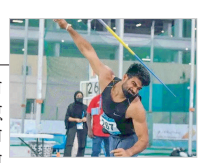

विश्व चैंपियन और तोक्यो पैरालंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके भाला फेंक के खिलाड़ी संदीप चौधरी कथित रूप से यहां ट्रेनिंग केंद्र पर प्रतियोगिता के इतर डोप परीक्षण से पहले लापता हो गए। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टारगेट ओलंपिक पोडिया योजना (टॉप्स) में शामिल चौधरी के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर से 'भागने' से कोविड-19 महामारी को देखते हुए लागू नियमों को लेकर गंभीर चिंताएं खड़ी हो गई हैं। पीसीआई अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'जब हाल में विदेश से डोप परीक्षण करने वाले अधिकारियों की टीम संदीप द्वारा दी रहने के स्थान संबंधी जानकारी के आधार पर नमूने लेने पहुंची तो वह लापता हो गया। हो सकता है कि वह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर से भाग गया है जहां वह ट्रेनिंग कर रहा था।' इंडोनेशिया में 2018 एशियाई पैरा खेलों में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले 24 साल के चौधरी से प्रतिक्रिया के लिए संपर्क नहीं हो पाया है। चौधरी उन तीन भारतीय पैरा एथलीटों में शामिल हैं जो अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के पंजीकृत परीक्षण पूल का हिस्सा हैं। तोक्यो पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भाला फेंक के खिलाड़ी सुंदर सिंह गुर्जर और सुमित भी इस पूल का हिस्सा हैं। चौधरी सामान्यतः एफ-44 वर्ग में चुनौती पेश करते हैं जिनका एक पैर कटा होता है या एक या दोनों पैर में कमजोरी होती है। वे बिना कृत्रिम अंक के चुनौती पेश करते हैं। अधिकारी ने कहा, 'वह आईपीसी के आरटीपी का हिस्सा था इसलिए उसे नियमित रूप से (प्रत्येक तीन महीने में) रहने के स्थान संबंधी जानकारी देनी होती थी और रहने के स्थान संबंधी फॉर्म में दी जानकारी के आधार पर डोप परीक्षण करने वाले बिना जानकारी दिए आए थे। संभावना है कि किसी ने विदेश से डोप परीक्षण करने के लिए आने वालों की जानकारी उसे दे दी हो।' उन्होंने कहा, 'कोविड-19 के खतरे के कारण खिलाड़ियों की मूवमेंट को लेकर कड़े नियम हैं और पता नहीं चला है कि संदीप ट्रेनिंग केंद्र को छोड़कर कैसे चला गया। जब कोई खिलाड़ी शिविर में आता या जाता है तो उसे पृथकवास के नियमों का पालन करना पड़ता है।' चौधरी अगर अगले 12 महीने में दो और परीक्षण 'मिस' करते हैं तो उन्हें पहले उल्लंघन के लिए सजा दी जा सकती है और उन्हें दो साल तक के प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है।

बुमराह चोटिल नहीं, आने वाले टूर्नामेंटों के लिए लिया आराम

अहमदाबाद। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कोई चोट नहीं है और उन्होंने आने वाले टूर्नामेंटों को देखते हुए कुछ दिनों का आराम लिया है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से आराम लेने की इजाजत मांगी थी जिसे बोर्ड ने स्वीकार किया था। बुमराह को लेकर अटकलें चल रही थी लेकिन पता चला है कि उन्हें चोट नहीं लगी है और उन्होंने आईपीएल, इंग्लैंड दौरे और टी20 विश्व कप को देखते हुए आराम लिया है। एक अधिकारी ने कहा, बुमराह की फिटनेस को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। वह बस कुछ समय के लिए अपने घर पर आराम करना चाहते थे और सबसे जरुरी यह है कि यह उनका निजी मामला है। बुमराह को 2019 में चोट लगी थी और वह चार महीने तक बाहर रहे थे। उन्होंने जनवरी 2020 में वापसी की और लॉकडाउन लगने के कुछ महीने पहले तक क्रिकेट खेला। लॉकडाउन के बाद बुमराह आईपीएल और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेले। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में 36 ओवर गेंद करने वाले बुमराह ने तीन पारियों में सिर्फ 12 ओवर गेंदबाजी की। बुमराह दूसरे टेस्ट से बाहर रहे थे। उन्होंने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में छह ओवर और तीसरे टेस्ट की पहली पारी में छह ओवर गेंदबाजी की। तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में उन्हें गेंदबाजी करने का मौका नहीं दिया गया। इस बीच क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीन मैचों की वनडे सीरीज से भी बाहर रह सकते हैं। बुमराह को इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 से सीरीज से आराम दिया गया था। भारत और इंग्लैंड के बीच पुणे में 23 मार्च से वनडे सीरीज शुरू होनी है। बुमराह की अनुपस्थिति में भारत के पास नए खिलाड़ियों को मौका देने का अवसर रहेगा। भारत और इंग्लैंड के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला मोटेरा के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चार मार्च से खेला जाएगा।

BJP की भव्य जीत, ४ हजार से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस की हार

बीते रविवार को ३१ जिला पंचायत में ६५ फीसदी २३१ तालुका पंचायत में ६६ फीसदी और नगरपालिका चुनाव में ५३-०७ प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था

गांधीनगर ।

बीते रविवार को गुजरात की ३१ जिला पंचायत में ६५ फीसदी २३१तालुका पंचायत में ६६ फीसदी और नगरपालिका चुनाव में ५३।०७ प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था । इस चुनाव को मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ ही साथ गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के लिए एक परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है । क्योंकि गुजरात में होने वाला स्थानीय निकाय चुनाव अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव का मिजाज तय करेगा । उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल के गढ़ यानी मेहसाणा नगरपालिका में एक बार फिर भाजपा की शानदार वापसी हुई है । अब तक मिली जानकारी के अनुसार भाजपा ने ४४ में से २५ सीटें जीती हैं, जबकि कांग्रेस के खाते में सिर्फ ७ सीटें गई हैं । भरूच की झगड़िया तालुका पंचायत में बीजेपी ने १२ सीटों पर कामयाबी हासिल कर पिछले १५ वर्षों के वर्चस्व शासन को खत्म कर दिया है । इतना ही नहीं पाटण के चाणस्मा तालुका पंचायत चुनाव में भी भाजपा अपना भगवा लहराने में कामयाब हुई है । भाजपा ने सभी १८ सीटों पर जीत दर्ज की है । अगर नर्मदा जिला की बात की जाए तो वहां पर भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया है । बीजेपी ने नर्मदा जिला पंचायत की २२ में से १९ सीटें जीती हैं । जबकि कांग्रेस के खाते में सिर्फ २ सीटें गई हैं । साबरकांठा के ईडर तालुका पंचायत की कुल २८ सीटों में से बीजेपी ने ०९ और कांग्रेस ने ८ सीटें जीती हैं । मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के लिए कमलम में मतदाताओं को धन्यवाद दिया । मुख्यमंत्री रूपानी ने कहा, आज पंचायत नगरपालिका के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी ने झंडा गाड़ दिया है । पहले ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि शहरों में भाजपा है लेकिन गांवों में भाजपा को वोट नहीं मिलेंगे, लेकिन शहरों की तुलना में गांवों में बेहतर परिणाम प्राप्त हुए हैं । बीजेपी ने ३१ में से ३१ जिला पंचायत जैसे कि मोरबी, गोंडल, धांगध्रा में शानदार जीत हासिल की है ।गुजरात के लोगों ने जिस तरीके से भाजपा पर भरोसा किया है उसे देखकर लगता है कि गुजरात भाजपा का गढ़ है । गुजरात चुनाव आयोग के मुताबिक ३१ जिला पंचायत में ६० ।४४, तालुका पंचायत में ६१ ।८३ प्रतिशत और नगरपालिका में ५३ ।०७ प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था । ८ हजार से ज्यादा सीटों पर होने वाले चुनाव में भाजपा ने ८,१६१ कांग्रेस ने ७,७७८ और आम आदमी पार्टी ने २,०९० उम्मीदवारों के साथ ही द्वारूद्वारू ने भी मुस्लिम बहुल सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे । बीते दिनों संपन्न होने वाले नगर निगम चुनाव में जहां कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था । वहीं अब नगरपालिका

और जिला-तालुका पंचायत चुनाव में कांग्रेस अपनी जमीन खोती हुई नजर आ रही है । पहली बार कांग्रेस को ग्रामीण इलाकों में भी हार का सामना करना पड़ रहा है । २०१५ में होने वाले चुनाव में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया था । लेकिन इस चुनाव में कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन दिखाई दे रहा है । ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस को मिलने वाली करारी शिकस्त के बाद चर्चा तेज हो गई है कि अमित चावड़ा जल्द ही अपना इस्तीफा दे सकते हैं ।

इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने वैक्सीन लगवाई

अहमदाबाद ।

भारत में कोरोना वैक्सीन के दूसरे चरण का टीकाकरण एक मार्च से शुरू हो चुका है । इसी बीच आज टीम इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अहमदाबाद के एक हॉस्पिटल में कोविड-१९ वैक्सीन की पहली डोज लगवाई । ५८ वर्षीय शास्त्री ने इसके लिए अपोलो हॉस्पिटल के स्टाफ को शुक्रिया भी कहा । शास्त्री ने ट्विटर पर एक फोटो शेयर की, जिसमें वह कोविड-१९ वैक्सीन की पहली डोज लगवाते हुए नजर आ रहे हैं । शास्त्री ने ट्वीट किया, 'कोविड-१९ वैक्सीन की पहली डोज लग गई । मेडिकल प्रोफेशनल्स और वैज्ञानिकों को धन्यवाद, जिन्होंने महामारी के खिलाफ भारतीय झंडा बुलंद किया ।' शास्त्री ने लिखा, 'कांताबेन और उनकी टीम ने अहमदाबाद के अपोलो अस्पताल में कोविड-१९ वैक्सीन के दौरान जो पेशेवरपन दिखाया उससे काफी प्रभावित हूं । बता दें कि टीम इंडिया इन दिनों अहमदाबाद में डेरा डाले हुए है । भारत और इंग्लैंड के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी दो टेस्ट अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं । तीसरे टेस्ट को भारत ने जीत लिया है जबकि चौथा टेस्ट चार मार्च से शुरू होने वाला है। इसके बाद इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड की टीमें पांच मैचों की टी-२० सीरीज खेलेगीं। बता दें कि कोविड-१९ टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण सोमवार, एक मार्च से शुरू हुआ । इसके तहत ६० वर्ष से अधिक आयु के लोगों और अन्य बीमारी से पीड़ित ४५ से ५९ वर्ष आयु वर्ग के लोगों को टीके की पहली खुराक दी जाएगी । देश में अब तक एक करोड़ ४७ लाख से ज्यादा लोगों को कोरोना वैक्सीन की डोज दी गई है।

गुजरात में भाजपा की जीत से प्रधानमंत्री मोदी गदगद

गुजरात के लोगों ने कांग्रेस को जुनून के साथ मिटा दिया उससे पता चलता है कि गुजरात भारतीय जनता का गढ़ है

अहमदाबाद ।

गुजरात पंचायती चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने नगर निगम चुनावों की तरह एक बड़ी जीत दर्ज की है । इस जीत से पूरे प्रदेश में भापजा नेताओं और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। वहीं भाजपा की इस जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी खुशी जाहिर की है । उन्होंने ट्वीट कर कहा कि राज्य की जनता बीजेपी के विकास के एजेंडे के साथ है । पीएम मोदी ने कहा, गुजरात में नगर पालिका, तालुका पंचायत और जिला पंचायत चुनावों के परिणाम स्पष्ट संदेश देते हैं कि गुजरात बीजेपी के विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ है । मैं बीजेपी के प्रति अटूट विश्वास और स्नेह के लिए गुजरात के लोगों को नमन करता हूं। वहीं मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी गुजरात में भाजपा की जीत पर अपनी प्रतिक्रिया दी है । उन्होंने लिखा, जिला पंचायतों, तालुका पंचायतों और नगर पालिकाओं के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी का भगवा पूरे गुजरात में लहरा रहा है। जिस तरह से गुजरात के लोगों ने कांग्रेस को जुनून के साथ मिटा दिया है, उससे पता चलता है कि यह गुजरात भारतीय जनता पार्टी का गढ़ है । उन्होंने आगे लिखा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से मैं गुजरात के लोगों को उस प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा, जिसके साथ लोगों ने प्रतिक्रिया दी है। साथ ही सीएम रूपाणी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा, सीआर पाटिल को भी शुभकामनाएं। यह जीत हमारे पूरे संगठन की कड़ी मेहनत, हमारे लाखों कार्यकर्ताओं और उनके द्वारा की गई व्यवस्थाओं की वजह से एक रिकॉर्ड जीत बन गई है। सीएम रूपाणी ने आगे कहा कि विकास की राजनीति इस चुनाव का मुद्दा थी। उसी मुद्दे पर हम लोगों को विचलित हुए बिना आगे बढ़े। २०१७ में सरकार बनी। २०१९ में २६ लोकसभा सीटें जीतीं। २०२१ की शुरुआत में हमने नगर निगम और अब जिला पंचायत, तालुका पंचायत और नगर पालिकाओं में जीत हासिल कीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस डूबती नाव है। गुजरात के परिणामों ने यह स्पष्ट रूप से दिखाया है। कांग्रेस सत्ता के लिए नहीं बल्कि विपक्ष में बैठने योग्य है।

लव जिहाद के शैतान पर कसी जाएगी लगाम : प्रदीप सिंह

अहमदाबाद ।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा है कि लव जिहाद के शैतान पर लगाम कसने के लिए गुजरात विधानसभा के इसी सत्र में कानून लाया जाएगा । गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन सदन शुरू होने से पहले पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदीप सिंह जाडेजा ने कहा है कि लव जिहाद के नाम पर लड़कियों का शोषण नहीं होने देंगे । प्रेम जाल में फंसा कर विधर्मी युवक हिंदू व अन्य धर्म की लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाते हैं तथा बाद में उनका शोषण किया जाता है और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जाता है । गुजरात में साजिश के रूप में तथा जोर जबरदस्ती से किसी का भी धर्म परिवर्तन नहीं कराया जा सके इसके लिए राज्य सरकार गंभीर है तथा इसी बजट सत्र में एक कानून लाया जाएगा धार्मिक संशोधन कानून के तहत लव जिहाद को गंभीर अपराध बनाया जाएगा ताकि गुजरात में इस पर नियंत्रण लगाया जा सके । भाजपा सांसद मनसुख वसावा भाजपा के विधायक शैलेश मेहता भाजपा के विधायक शशिकांत पंड्या सहित कई नेता गुजरात सरकार से लव जिहाद पर कानून बनाने की मांग पहले ही कर चुके हैं । पंचायत में पालिका चुनाव प्रचार के दौरान खुद मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने भी विधानसभा के बजट सत्र में लव जिहाद कानून लाने की घोषणा की थी ।

अमित चावड़ा-परेश धनानी ने अपने पदों से इस्तीफा दिया

अहमदाबाद ।

गुजरात में पंचायती चुनावों में कांग्रेस का बुरा हाल हुआ है । वहीं भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत दर्ज की है । उधर कांग्रेस की हार के बाद गुजरात कांग्रेस में मायूसी का आलम है । प्रदेश में हार से निराश गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने पार्टी हाई कमान को अपना इस्तीफा भेज दिया है । हालांकि आला कमान ने उनके इस्तीफे को नहीं स्वीकार किया है । अमित चावड़ा के अलावा नेता प्रतिपक्ष परेश धनानी ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया । मालूम हो कि स्थानीय निकाय के चुनाव में करारी हार के बाद दोनों नेताओं ने आलाकमान के सामने इस्तीफे की पेशकश की थी । हालांकि हाई कमान ने अमित चावड़ा के इस्तीफे को नामंजूर कर दी है । इससे पहले कांग्रेस को गुजरात मे हुए नगर निगम चुनावों में भी करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी । उधर गुजरात में पंचायती चुनावों में भाजपा ने एकबार फिर अपना डंका बजाया है । शाम ६ बजे तक के आंकड़े के मुताबिक, तालुका पंचायत में भाजपा ने सर्वाधिक ३२३६, कांग्रेस ने १२०१, अन्य ने ११२ और आम आदमी पार्टी ने ३१ सीटें जीती हैं । वहीं जिला पंचायत की ७७१ सीटों पर भाजपा ने, १६४ सीटों पर कांग्रेस ने और आम आदमी पार्टी ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है । इसके अलवा नगर पंचायत में २०२७ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी, २७५ सीटों पर कांग्रेस और १६८ सीटों पर अन्य ने जीत हासिल की है । बता दें कि इससे पहले बीजेपी ने गुजरात में छह नगर निगमों के लिए हुए चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की थी । पिछले मंगलवार को हुई मतगणना में ५७६ में से ४८३ सीटें जीतकर बीजेपी ने इन नगर निकायों में अपनी सत्ता बरकरार रखी । विपक्षी दल कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा और वह केवल ५५ सीटों पर जीत दर्ज कर पाई ।

गुरुजिन स्मरणोत्सव में गुरुजीन के स्मरणयात्रा के जुलूस के साथ 6 महीने की समाधिपर्व का निर्विघ्न समापन

सूरत।

अध्यात्म नगरी में 27 दिनों की पूजा के बाद, छह महीने की समाधि पर्व को युगभूमि में गुरुजी की यादों को चबाकर रोका गया। छह महीने पहले इसी दिन, गुरुजी का विसु की युगभूमि में अंतिम संस्कार किया गया था।

मंगलवार शाम 6 बजे जैनाचार्य श्री जिनचन्द्रसूरीश्वरजी महाराज अरुणा प्रभात के साथ सूर्य के रूप में जिनशासन गुरुजिन स्मरणोत्सव जुलूस आद्यात्मा नगरी से शुरू हुआ। जुलूस भक्ति के माहौल के साथ शहर के राजमार्गों से गुजरा। कई लोगों ने सड़क और घर की खिड़कियों से पवित्र तीर्थयात्रा देखी। आज का स्मरणोत्सव जुलूस उसी सड़क से शुरू हुआ, जहां से छह महीने पहले पू. मोटासाहेबजी की पालखीयात्रा शुरू हुई थी। गाजे-बाजे के साथ गुरुजी की अंत्योदय यात्रा करते हुए गाजे-बाजे के साथ वेसु युगभूमि पहुँचे। जिसे यहाँ एक स्तवन सभा में बदल दिया गया।

पू. मोटासाहेबजी की प्रशंसा करते हुए, पूज्य श्री के प्राशिसारत्न अधर्म सम्राट श्री योगतिलकसुरिजी महाराज ने कहा कि गुरुजुनसूरिजी ने जन्म के बाद दुनिया का अंतिम संस्कार किया था। इसीलिए उनकी पवित्र भूमि की पूजा की जाती है। हम भी जीवन में कषायों का ऐसा दाह संस्कार करके अपने जीवन को शुद्ध करते हैं। यही कारण है कि आज यहां जमीन को छूने के लिए गुरु की प्रशंसा की जा रही है। प्रवचनकर्ता पूज्य कीर्तिशासुरजी महाराज ने दीक्षाधर्म और गुरु जिन गुन के साथ गुरु की महिमा को समझाया और उनके द्वारा उठाए गए प्रश्नों के दार्शनिक उत्तर दिए। बुजुर्ग जैनाचार्य सोमसुंदरसूरीश्वरजी की एक उज्ज्वल परंपरा है। गुरुजी की उदासीनता का वर्णन और श्रोताओं को सत्तारूढ़ करने के लिए गुरुजिन की याद में कहा कि धर्म की महिमा को क्षेत्रज्ञ से गाया गया था।

'महाधन स्मार्टेक' तकनीक से गन्ना किसान 10गुणा एमसीबीआर प्राप्त कर सकते हैं

भरूच ।

स्मार्टकेम टेक्नोलॉजीस लिमिटेड (एसटीएल), भारत की एक अग्रणी उर्वरक विनिर्माता कंपनी द्वारा गन्ने की फसल के लिए एक आविष्कारक उर्वरक 'महाधन स्मार्टेक' 10:26:26 ग्रेड्स प्रस्तुत किया गया है। 'स्मार्टेक' में खास, उन्नत तकनीक शामिल है, जिससे जड़ वाले हिस्से में सुधार होता है जिसके परिणाम स्वरूप पौधों का स्वस्थ विकास और उच्चतर फसल प्राप्त होती है। इसके परिणाम स्वरूप सीमांत लागत लाभ अनुपात (एमसीबीआर) में सुधार होता है अर्थात %स्मार्टेक% उर्वरक पर 100/- रूपये के अतिरिक्त खर्च से किसानों को 1000/-* से अधिक का अतिरिक्त लाभ मिलता है। (*कृषि विश्वविद्यालयों, आईसीएआर अनुसंधान स्टेशन, और बड़े पैमाने पर किसान निष्पादन के साथ किए गए विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों पर आधारित)।

विशिष्ट 'स्मार्टेक' तकनीक के कारण, पौधों की संख्या में बढ़ोतरी होती है, जिसके परिणामस्वरूप गन्ने की फसल में लचीले गन्नों (मैलेएबल केन्स) की संख्या में बढ़ोतरी होती है।

श्री पटेल अभिषेक आशीषभाई, गांव - अविधा, ताल्लुका-झगड़िया, जिला-भरूच जिन्होने महाधन स्मार्टेक 10:26:26 का इस्तेमाल किया था, उन्होंने कहा के, ""मैंने 2018-19 के दौरान अपनी गन्ने की फसल में महाधन स्मार्ट टेक 10.26.26 का इस्तेमाल किया। मैंने देखा कि स्मार्टटेक 10.26.26 का उपयोग करने से गन्ने के टिलर, लंबाई और ऊंचाई में वृद्धि हुई है और गन्ने में अच्छे डंठल की संख्या में भी वृद्धि हुई है और इसकी वजह से मुझे 60 टन / एकड़ उपज मिली है।

पाटीदार आंदोलन के केन्द्र मेहसाणा में कांग्रेस का सूपड़ा साफ

अहमदाबाद ।2015 में पाटीदार आरक्षण आंदोलन का केन्द्र रहे मेहसाणा जिला पंचायत में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। जिला पंचायत की 22 सीटों में से भाजपा 21 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस के खाते में केवल एक सीट गई है। वहीं पाटीदार आंदोलन के प्रणेता और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख हार्दिक पटेल के होमटाउन विरमगाम में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुला। इतना ही गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमित चावड़ा और विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष परेश धानाणी के अलावा पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी, कांग्रेस नेता विक्रम माडम के गढ़ में सेंध लगाने में भाजपा को सफलता मिली है। कांग्रेस के आणंद जिले के पेटलाद से विधायक निरंजन पटेल और उनका पुत्र, जामनगर से कांग्रेस विधायक विक्रम माडम के पुत्र और खेडब्रह्मा के विजयनगर से कांग्रेस विधायक अश्विन कोटवार का पुत्र भी तहसील पंचायत चुनाव हार गए हैं। पेटलाद से विधायक निरंजन पटेल ने दो सीटों से उम्मीदवारी दर्ज कराई थी और दोनों सीटों पर उनकी हार हुई है। मौजूदा चुनाव नतीजे वर्ष 2010 के पालिका-पंचायत चुनावों का पुनरावर्तन है। वर्ष 2015 में कांग्रेस को पाटीदार आरक्षण आंदोलन के चलते बड़ी सफलता मिली थी और उसने ज्यादातर जिला, तहसील और नगर पालिकाएं भाजपा से छीन ली थी। लेकिन इस बार कांग्रेस को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है।

सिडबी द्वारा स्वावलंबन दिव्यांगजन असिस्टिव टेक मार्केट एक्सेस फंड स्थापित करने के लिए सोशल अल्फा के साथ गठबंध

सूरत ।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास में संलग्न प्रमुख वित्तीय संस्था, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी)ने स्वावलंबन दिव्यांगजन असिस्टिव टेक मार्केट एक्सेस (एटीएमए) फंड स्थापित करने के लिए सोशल अल्फा के साथ हाथ गठबंध किया है। यह फंड, अपनी तरह का पहला समावेशी फंड है जो असिस्टिव टेक्नोलॉजी क्षेत्र में काम करने वाले सोशल अल्फा-संपोषित स्टार्टअप्स को वित्तीय अनुदान देता है।

इसके तहत, प्रत्येक संपोषिती स्टार्ट-अपको कार्यान्वयन समर्थन के लिए रु.20 लाख रुपये तक की अनुदान राशि उपलब्ध होगी। यह फंड,शुरुआती उपयोगकर्ताओं की पहुंच में सुधार लाने और नई तकनीकों की अधिप्राप्तिपर होने वाले खर्च को कम करने के लिए उत्पाद की कीमत के50त्न तक वित्तपोषण करेगा।

इस साझेदारी के बारे में बोलते हुए, सिडबी के उप प्रबंध निदेशक श्री वी. सत्य वेंकट राव ने कहा, "एमएसएमई और विकास क्षेत्र, कोविड-19 महामारी से सबसे अधिक प्रभावित हैं। सरकार ने इसका संज्ञान लेते हुए, आत्मनिर्भर भारत अभियानके माध्यम से, एमएसएमईक्षेत्र को देश के आर्थिक पुनरुत्थान में सहायक बनाने के लिए बढ़ावा देने के उपाय किए हैं। एमएसएमई को सहायता प्रदान करने और अन्यान्य फंडों के परिचालन में सिडबीके वृहत अनुभव को देखते हुए,स्वावलंबन दिव्यांगजन एटीएमएफंड अर्थात एक सामाजिक प्रभाव निधि को विकसित करना,इस मिशन का हिस्सा बनने का एक सुअवसर है।"

श्री मनोज कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और सह-संस्थापक, सोशल अल्फा ने कहा, "सहायक प्रौद्योगिकियों में नए बाजार बनाना एक बड़ी चुनौती है और इसके लिए पारितंत्र के विकास में महत्वपूर्ण निवेश की आवश्यकता है। एटीएमएफंड ने अभिनव समाधानों के त्वरित अंगीकरण को सक्षम बनाकर,सहायक प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत की है । हम मानते हैं कि अन्य खर्च में होने वाली कमी;मांग को उत्प्रेरित करेगी, जो इस क्षेत्र में ली जाने वाले उद्यमशीलता जोखिम की दीर्घकालिक स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक है। हम सिडबी के साथ साझेदारी करके खुश हैं क्योंकि इस समर्थन से इस फंड को, अखिल भारतीय इनक्यूबेटरों को शामिलकरते हुए, इस क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान और विकासात्मक प्रयासों को बहु-अपेक्षित बढ़ावा देने में मदद होगी।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)